मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 42 ■ अंक : 79 ■ बुधवार, 5 जून 2024 3 रुपए ■ पृष्ठ 4
/ulhasvikas संपादक - हीरो अशोक बोधा (BMM, L.LB.) Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

श्रीकांत शिंदे की हैट्रिक

5,87,921 श्रीकांत शिंदे

3,79,236 वैशाली दरेकर

2,08,685 जीत का मार्जिन

- दो लाख वोटों से हासिल की जीत
- वैशाली दरेकर को मिले 3 लाख 79 हजार वोट
- 11 हजार वोट लेकर नोटा चौथे स्थान पर
- उल्हासनगर - अंबरनाथ में शिंदे ने बढ़त बनाए रखी
- शिंदे ने सभी का आभार प्रकट किया
- उल्हासनगर में महायुति ने मनाया जश्न

उल्हासनगर। कल्याण लोकसभा क्षेत्र से डॉ. श्रीकांत शिंदे ने 2,08,685 वोटों से जीत दर्ज कर हैट्रिक बना ली है। इस जीत के बाद कल्याण लोकसभा क्षेत्र के 6 विधानसभा क्षेत्र उल्हासनगर, अंबरनाथ, कल्याण पूर्व, कल्याण ग्रामीण, डोंबिवली व मुंब्रा में महायुति के कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया। महाविकास आघाड़ी की प्रत्याशी वैशाली दरेकर को 3 लाख 79 हजार 236 वोट मिले जबकि श्रीकांत शिंदे को 5 लाख 87 हजार 921 वोट मिले। तीसरे स्थान पर वंचित आघाडी के उम्मीदवार मोहम्मद शहाबुद्दीन को करीब 18 हजार 697 वोट मिले। चौथे स्थान पर नोटा को 11 हजार 602 वोट मिले हैं। उल्हासनगर विधानसभा क्षेत्र से करीब 54 हजार की लीड शिंदे ने हासिल की है।

ज्ञात हो कि 20 मई को संपन्न हुए कल्याण लोकसभा क्षेत्र के चुनाव के परिणाम कल 4 जून की सुबह 8 बजे से शुरू हुए। चुनाव परिणाम कुल 29 राऊंड के हुए और पहले ही राउंड से महायुति के उम्मीदवार डॉ. श्रीकांत शिंदे ने बढ़त बनाई जो अंतिम राउंड तक चली। करीब ढाई लाख वोटों से शिंदे ने शिवसेना ठाकरे गुट की प्रत्याशी वैशाली दरेकर को हराया और लगातार तीसरी बार जीतकर हैट्रिक लगाई है। मतगणना केंद्र पर श्रीकांत शिंदे ने वैशाली दरेकर से मिलकर उनका भी आभार प्रकट किया और पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि महायुति की सभी सहयोगी पार्टी और जनता का मैं आभारी हूं जिन्होंने मुझे तीसरी बार सांसद बनाया है। इस जीत पर उल्हासनगर, अंबरनाथ, कल्याण पूर्व, कल्याण ग्रामीण, डोंबिवली व मुंब्रा में महायुति के कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया। महायुति के सभी सहयोगी पार्टी इस जीत का श्रेय ले रहे थे।

शिंदे को गद्दारी का करना पड़ा सामना

चुनावी प्रचार में शिंदे ने 5 लाख से अधिक मतों से जीत का दावा किया था लेकिन मोदी विरोधी मतदान के चलते उन्हें इसी लीड पर संतुष्ट होना पड़ा। इसके अलावा भी उन्हें महायुति के नेताओं व कार्यकर्ताओं ने भी कई जगहों से धोखा दिया है। कल्याण लोकसभा क्षेत्र के 6 विधानसभा में से 5 विधानसभा महायुति के पास है बावजूद महाविकास आघाड़ी को अच्छे वोट मिले। इसमें सबसे पहले कल्याण पूर्व के विधायक गणपत गायकवाड़ जोकि गोलीबारी मामले में जेल में है उनके कार्यकर्ताओं ने शिंदे विरुद्ध कार्य किया इसके अलावा अंबरनाथ, उल्हासनगर, डोंबिवली में महायुति के कई नेताओं ने पैसे लेकर भी महाविकास आघाडी का कार्य किया जिसके चलते उन्हें मनचाही लीड हासिल नहीं हुई। शिंदे को किस क्षेत्र से धोखा मिला यह तो मतों की पूरी डिटेल आने के बाद ही पता चलेगा फिलहाल शिंदे समर्थक उनकी जीत का जश्न मना रहे हैं। 2019 में श्रीकांत शिंदे 3 लाख 44 हजार 343 मतों से विजयी हुए थे।

कल्याण लोकसभा चुनाव-2024

उम्मीदवार	पार्टी	प्राप्त मत
डॉ श्रीकांत शिंदे	शिव सेना	587921
वैशाली दरेकर-राणे	शिव सेना (यूबीटी)	379236
प्रशांत रमेश इंगले	बहुजन समाज पार्टी	11285
अमित उपाध्याय	राइट टू रिकॉल पार्टी	4185
अरुण भाऊराव प्रकृति	राष्ट्रीय किसान बहुजन पार्टी	2751
गवली प्रवीण शिवाजी	अपनी प्रजाहित पार्टी	1080
पूनम जगन्नाथ बैसाणे	बहु. रिप. सोशलिस्ट पार्टी	1376
श्रीकांत शिवाजी वंजारे	पी. पार्टी ऑफ इंडिया (डे.)	806
श्रीधर नारायण साल्वे	भीम सेना	1068
मो शहाबुद्दीन शेख	वंचित बहुजन आघाडी	18697
सुशीला काशीनाथ कांबले	बसपा (अंबेडकर)	1847
संभाजी जगन्नाथ जाधव	संयुक्त भारत पक्ष	1607
हिंदूराव दादू पाटिल	राष्ट्रीय मराठा पार्टी	1236
अजय श्याम मोरया	निर्दलीय	1798
अभिजीत बिचुकले	निर्दलीय	1823
अमरीश राज मोराजकर	निर्दलीय	2616
अरुण वामन जाधव	निर्दलीय	1077
अश्विनी अमोल केंद्रे	निर्दलीय	2461
चंद्रकांत रंभाजी मोटे	निर्दलीय	1378
नफीस अहमद अंसारी	निर्दलीय	1997
प्राजक्ता नीलेश येलवे	निर्दलीय	780
मोहम्मद यूसुफ खान	निर्दलीय	648
राकेश कुमार ढिसूलाल जैन	निर्दलीय	599
शिव कृष्णमूर्ति अय्यर	निर्दलीय	435
डॉ. सचिन साहेबराव पाटिल	निर्दलीय	346
सलीमुद्दीन खलीलुद्दीन शेख	निर्दलीय	370
एड. हितेश जेसवानी	निर्दलीय	712
ज्ञानेश्वर लोखंडे महाराज	निर्दलीय	738
नोटा		11603
कुल		1042476

लोगों के मन का भ्रम करेंगे दूर

- मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने जताया विश्वास

ठाणे. हमने हमेशा विकास की राजनीति की है और विकास की राजनीति करते रहेंगे। लेकिन कुछ लोगों ने संविधान बदलने का अभियान चलाकर झूठा प्रचार किया, भ्रम पैदा किया। लेकिन जो लोग इस तरह के भ्रम का शिकार हुए उन्हें अब उनके असली चेहरे का सामना करना पड़ेगा। लेकिन हम भ्रम दूर करने में चूक गए, उम्मीदवारों की घोषणा देर से की, इसलिए कहीं न कहीं इसका असर वोटों पर पड़ा," मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा। उन्होंने यह विश्वास भी जताया कि हम उनका भ्रम दूर कर देंगे.

ठाणे लोकसभा प्रत्याशी नरेश म्हस्के की जीत के बाद मुख्यमंत्री शिंदे ने उन्हें बधाई दी. उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में यह जानकारी दी. मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं, कुछ लोगों ने मोदी हटाओ का नारा लगाते हुए उनके खिलाफ प्रचार शुरू कर दिया है. लेकिन जनता ने उन्हें नकार दिया है और उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि I.N.D.I.A. के नेतृत्व वाली सरकार नहीं आएगी. पिछले दो वर्षों में राज्य के विकास और पिछले 10 वर्षों में मोदी के देश के विकास के कारण महायुति को यह सफलता मिली है।

ठाणे शिवसेना का गढ़ बना हुआ है. ठाणे आनंद दिघे और बालासाहेब ठाकरे का प्यार था. तो एक बार फिर इस ठाणे पर भगवा लहराया है. सामान्य कार्यकर्ता आज सांसद बन गये हैं.

उन्होंने कहा कि ठाणेकर ने आज यह भी दिखा दिया कि आनंद दिघे का सच्चा शिष्य कौन है. उन्होंने यह भी कहा कि म्हस्के ठाणेकर द्वारा दिखाए गए भरोसे पर खरे उतरेंगे. उन्होंने यह भी कहा कि कल्याण में भी श्रीकांत शिंदे भारी मतों के अंतर से जीते और पिछले 10 साल में किए गए विकास कार्यों के कारण ही वह यह जीत हासिल कर पाए.

ठाणे में नरेश म्हस्के की भारी जीत

- राजन विचारे को बड़े अंतर से हराया

ठाणे. राज्य में लोकसभा चुनाव की 48 सीटों के नतीजे अब साफ हो गए हैं। सबकी नजर ठाणे और कल्याण विधानसभा क्षेत्रों पर थी. एकनाथ शिंदे की शिवसेना ने ठाणे से नरेश म्हस्के को उम्मीदवार बनाया। जबकि श्रीकांत शिंदे कल्याण में चुनाव में खड़े हुए थे. इन दोनों उम्मीदवारों ने भारी अंतर से जीत हासिल की है.

ठाणे में नरेश म्हस्के के खिलाफ राजन विचारे को शिवसेना उद्धव ठाकरे ने उम्मीदवार बनाया गया था. राजन विचारे मौजूदा सांसद थे. यहां विचारे की बुरी तरह हार हुई है. नरेश म्हस्के को 6 लाख 32 हजार 789 वोट मिले, जबकि राजन विचारे को 4 लाख 58 हजार 519 वोट मिले. नरेश म्हस्के करीब 1 लाख 74 हजार वोटों से निर्वाचित हुए हैं.

जीत के बाद नरेश म्हस्के ने कहा कि यह जीत नरेंद्र मोदी के करिश्मे और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की मेहनत के कारण मिली है. यह ठाणेकर के आम लोगों की जीत है।' लोगों ने दिखा दिया कि आनंद दिघे का असली शिष्य कौन है. आनंद नगर में रहने वाले नरेश म्हस्के को एकनाथ शिंदे ने 12 दिन में सांसद बना दिया था. उन्होंने कहा कि एकनाथ शिंदे ने मेरे पीछे हाथ डाला और मुझे नगरसेवक से सांसद बना दिया.

ठाणे में 2 शिवसैनिकों के बीच लड़ाई

ठाणे लोकसभा क्षेत्र में पहली बार दो शिवसैनिकों के बीच सीधी टक्कर देखने को मिली. इस निर्वाचन क्षेत्र में मराठी भाषी 51 प्रतिशत वोट इस चुनाव में निर्णायक रहे हैं। शिंदेसेना और उद्धवसेना मराठी वोटों का अधिक प्रतिशत अपनी ओर स्थानांतरित करने के लिए पुरजोर प्रयास कर रहे हैं। ठाणे लोकसभा क्षेत्र मीरारोड-भाइंदर से लेकर नवी मुंबई, बेलापुर तक फैला हुआ है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने ठाणे में कई विकास कार्य किये हैं. मनपा में शिंदे के नेतृत्व में सत्ता कायम है.

ठाणे लोकसभा चुनाव-2024

उम्मीदवार	पार्टी	प्राप्त मत
नरेश गणपत म्हस्के	शिव सेना	602045
राजन बाबूराव विचारे	शिवसेना (यूबीटी)	424159
संतोष भीकाजी भालेराव	बहुजन समाज पार्टी	8515
उत्तम किसानराव तिरपुडे	पीपुल्स पार्टी ऑफ इंडिया (डे.)	1075
झा सुभाष चंद्रा	सरदार वल्लभभाई पटेल पार्टी	1910
भंवरलाल खेतमल मेहता	हिंदू समाज पार्टी	1242
मुकेश कैलाशनाथ तिवारी	भीम सेना	1980
राजेंद्र रामचंद्र संखे	भारतीय जवान किसान पार्टी	619
राहुल जगबीरसिंह महरोलिया	बहुजन रिपब्लिकन सोशलिस्ट पार्टी	659
विजय ज्ञानोबा घाटे	रिपब्लिकन बहुजन सेना	1495
सलीमा मुक्तार वासानी	बहुजन महा पार्टी	715
अर्चना दिनकर गायकवाड़	स्वतंत्र	958
इरफ़ान इब्राहिम शेख	स्वतंत्र	1517
खाजासाब रसूलसाहब मुल्ला	स्वतंत्र	519
एड. गुरुदेव नरसिंह सूर्यवंशी	स्वतंत्र।	2850
चंद्रकांत विट्ठल सोनावणे	स्वतंत्र	1817
डॉ. पीयूष के.सक्सेना	स्वतंत्र	1817
प्रमोद आनंदराव धूमल	स्वतंत्र	1441
मल्लिकार्जुन सायबन्ना पुजारी	स्वतंत्र	465
राजीव कोंडिबा भोसले	स्वतंत्र	738
साँवले दत्तात्रय सीताराम	स्वतंत्र	419
सिद्धांत छब्बन शिरसाट	स्वतंत्र	261
सुरेंद्रकुमार के. जैन	स्वतंत्र	358
संजय मनोहर मोरे	स्वतंत्र	495
नोटा		14466
कुल वोट गिने गए		1072535
लीड मार्जिन		177886

अंबरनाथ में सांसद शिंदे की जीत पर शिवसैनिकों ने मनाया जश्न

यूसुफ शेख

अंबरनाथ. कल्याण लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से शिवसेना शिंदे गट के सांसद श्रीकांत शिंदे के तीसरी बार भारी वोटों से विजयी होने पर शहर पूर्व और पश्चिम में शिवसैनिकों ने मिठाई बांटकर, ढोल ताशे की ताल पर हाथ में भगवा झेंडा लेकर पटाखे फोड़कर भारी जश्न मनाया. विधायक बालाजी किणीकर, सुनिल चौधरी ने गुलाल उड़ाते हुए अपनी खुशी प्रकट करते हुए श्रीकांत शिंदे को गले लगाकर बधाई दी है. शहर प्रमुख अरविंद वालेकर, राजेश वालेकर, पूर्व नगराध्यक्ष मनिषा वालेकर ने शहर में बैनर लगाकर श्रीकांत शिंदे को बधाई दी है.

रात में छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर सुनिल चौधरी, विधायक किणीकर, निखिल चौधरी के आह्वान पर शिवसैनिकों ने एकत्रित होकर जश्न मनाया. यहां पर सैकड़ों लोगों में लड्डू बांटे गए. शिवसेना के पदाधिकारी नगरसेवक, महिला, युवा सेना के कार्यकर्ताओं ने एकत्रित होकर नाचकर जल्लोष किया. आनंद उत्सव मनाया गया और मतदाताओं का आभार व्यक्त किया. अब्दुल शेख, विकास हेमराज, राहुल हेमराज, सुभाष सालुंखे, सुनिल सोनी, उमेश गुंजाल, मुक्कू लेनिन, रवि करंजुले, निखिल वालेकर, राजू वालेकर, संदीप भराडे, प्रज्ञा बनसोडे, मिलिंद गान आदि ने जश्न मनाकर पटाखे फोड़कर मिठाई बांटकर डॉ. श्रीकांत शिंदे को तीसरी बार सांसद चुने जाने पर बधाई दी है.

कल्याण डोंबिवली में गुरुवार को 10 घंटे बंद रहेगी जलापूर्ति

कल्याण. कल्याण और डोंबिवली शहरों को पानी की आपूर्ति करने वाले नेतिवली, बारावे में जल शोधन केंद्र में रखरखाव और मरम्मत कार्य के कारण गुरुवार (6 जून) को सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक कल्याण और डोंबिवली शहरों में पानी की आपूर्ति बंद रहेगी। कल्याण डोंबिवली महानगर पालिका जल आपूर्ति विभाग के यांत्रिकी विभाग के कार्यकारी अभियंता अशोक घोडे ने यह जानकारी दी है.

जल शुद्धीकरण संयंत्रों के इन मरम्मत और रखरखाव कार्यों के कारण कल्याण पूर्व, पश्चिम, डोंबिवली पूर्व और पश्चिम और आसपास के क्षेत्रों में पानी की आपूर्ति पूरी तरह से बंद हो जाएगी। इन जल शोधन केन्द्रों की मरम्मत का कार्य प्रत्येक वर्ष मानसून से पूर्व किया जाता है। उसी के अनुरूप ये कार्य किये जायेंगे। कार्यकारी अभियंता घोडे ने बताया कि इस अवधि में इस जलशोधन केंद्र से निकलने वाली मुख्य पाइप लाइन एवं उप पाइपलाइन में पानी के रिसाव को रोकने का कार्य किया जायेगा. इस अवधि के दौरान यांत्रिक और तकनीकी मरम्मत भी की जाएगी। गुरुवार को कल्याण, डोंबिवली शहरों में दस घंटे तक पानी की आपूर्ति बंद रहेगी। इसलिए अगले दिन इन दोनों शहरों में कम दबाव से जलापूर्ति होने की संभावना है. इसलिए महानगर पालिका के जल आपूर्ति विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने घरों में एक दिन के लिए पर्याप्त पानी रखें.

अंबरनाथ में दो गुंडों पर हफ्ता वसूली का अपराध दर्ज

- दुकानदार की शिकायत नहीं ली गई
- पुलिस ने अध्यक्ष खानजी धल को धकेला
- संघ ने दोनों पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई का दिया पत्र

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ पूर्व नवरेनगर में एक मिठाई दुकानदार से दो गुंडों ने उधारी ना देने पर उसे पीटा और हफ्ता भी मांगा. शिवाजी नगर पुलिस ने दो गुंडों बंटी और दिनेश पर हफ्ता मांगने एवं गाली गलौज करने का मामला दर्ज किया है. नवरे नगर में भवानी मिठाई शॉप मालिक पुखराज चौधरी (65) जब शिवाजी नगर पुलिस में रात के समय शिकायत करने गए तो उपस्थित पुलिस भुसाले और पुलिस निरीक्षक शेख ने उन्हें एक घंटे तक बिठाए रखा. जब इस बात की शिकायत चौधरी ने अंबरनाथ व्यापारी संघ अध्यक्ष खानजी धल से की तो वह शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन गए. धल को भी एक घंटे तक बिठाने के बाद पहले आरोपी को पुलिस ने फोन करके पुलिस स्टेशन बुलाया और उससे बात करने लगे. धल ने उन्हें शिकायत लेने के लिए कहा तो पुलिस भुसारे और शेख ने हाथ पकड़ कर धल को बाहर जाने के लिए कहा. धल ने वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक भगत को फोन किया तो चौधरी की शिकायत लेकर दोनों गुंडों बंटी और दिनेश के खिलाफ हफ्ता वसूली एवं मारपीट का दफा 385, 323, 504, 506, 34 के अनुसार अपराध दर्ज किया गया.

वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक भगत से की मुलाकात

दूसरे दिन व्यापारी संघ के सचिव यूसुफ शेख, प्रवीण शर्मा, अभिजीत करंजुले, अध्यक्ष खानजी धल ने वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक भगत से भेंट करके संघ का एक शिकायती पत्र देकर भुसारी और शेख पर कार्रवाई करने के लिए कहा. वहां लगभग 50 व्यापारी मौजूद थे. भगत ने कहा कि ये सब नहीं होना चाहिए था. उन्होंने नरमी से कहा कि बात को आगे ना बढ़ाएं. पुलिस दोनों गुंडों को पकड़कर ऐसी सजा देंगी कि वह दोबारा ऐसी हरकत नहीं करेंगे.

सिंधी सांसद शंकर लालवानी ने बनाया जीत का महारिकॉर्ड

- इंदौर से 12 लाख वोटों से जीते

इंदौर. मध्य प्रदेश की इंदौर लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी के सीटिंग एमपी शंकर लालवाणी ने 'महारिकॉर्ड' बना दिया है। शंकर लालवाणी को लगातार दूसरी बार इंदौर लोकसभा सीट पर 10 लाख से ज्यादा वोट मिले हैं। मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी कही जाने वाली इंदौर लोकसभा सीट भाजपा के सबसे सुरक्षित सीट में से एक है। 2019 की लोकसभा चुनाव में भी इस सीट पर लालवाणी ने जीत का परचम लहराया है। शंकर लालवाणी ने इंदौर लोकसभा सीट से 10 लाख से ज्यादा वोटों के अंतर से विजय प्राप्त की है।

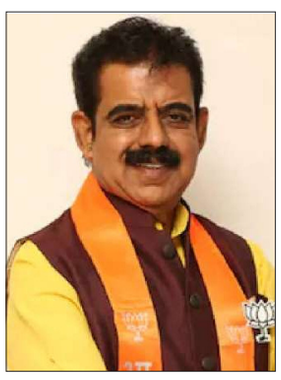

शंकर लालवाणी को इस बार लोकसभा चुनाव में इंदौर की जनता ने 12 लाख 26 हजार से ज्यादा वोट दिए हैं। लालवाणी ने अपने निकटम प्रतिद्वंदी बहुजन समाज पार्टी के संजय सोलंकी को 11 लाख 75 हजार से ज्यादा वोट से हरा दिया है। संजय सोलंकी को मात्र 51,659 वोट मिले हैं। 2019 में हुए लोकसभा चुनाव में भी शंकर लालवाणी को 10 लाख से ज्यादा वोट मिले थे। 2019 में लालावाणी को इंदौर की जनता ने 10 लाख 68 हजार से ज्यादा वोट दिया था। पिछले लोकसभा चुनाव में उन्होंने अपने निकतम प्रतिद्वंदी कांग्रेस पार्टी के पंकज सांघवी को 5 लाख 47 हजार से ज्यादा वोटों से मात दिया था। कांग्रेस प्रत्याशी को पिछले चुनाव में 5 लाख 20 हजार से ज्यादा वोट मिले थे।

कौन हैं शंकर लालवाणी?

भारतीय जनता पार्टी के सांसद शंकर लालवाणी का जन्म 16 अक्टूबर 1961 को इंदौर में हुआ था। सांसद बनने से पहले वो इंदौर डेवलपमेंट ऑथोरिटी के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। उन्होंने वीरमाता जीजाबाई टेक्नोलॉजिकल इंस्टीट्यूट से बी.टेक की डिग्री ली है। वो पहली बार 23 मई 2019 को इंदौर लोकसभा सीट से चुनाव जीते थे। 2019 में भारतीय जनता पार्टी ने उस समय की लोकसभा अध्यक्ष और इंदौर से सांसद सुमित्रा महाजन की जगह पर इन्हें टिकट दिया था।

इंदौर के सांसद शंकर लालवाणी का पाकिस्तान से भी नाता रहा है। वो सिंधी परिवार से आते हैं और उनका परिवार विभाजन के बाद पाकिस्तान से आकर मध्य प्रदेश में बस गया। शंकर लालवाणी 1994 में राजनीति में आए थे। तब उन्होंने इंदौर नगर निगम में कार्पोरेटर का चुनाव जीता था। 1999 से लेकर 2004 के बीच वो इंदौर नगर निगम में पीडब्लूडी के चेयरमैन रह चुके हैं। वहीं, 2013 से लेकर 2018 तक उन्होंने इंदौर डेवलपमेंट ऑथिरिटी के अध्यक्ष का पद संभाला था।

डंपर ने बाइक को टक्कर मारी महिला की मौत, पति घायल

कल्याण. डोंबिवली में एक डंपर ने एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी जिससे दुपहिया वाहन पर सवार 52 वर्षीय महिला की मौत हो गयी और उसका पति घायल हो गया। विष्णु नगर पुलिस थाने के एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि यह घटना रविवार को डोम्बिवली में हुई जब दंपति पासपोर्ट संबंधी काम पूरा होने के बाद लौट रहा था। वे विदेश यात्रा की योजना बना रहे थे।

उन्होंने बताया कि डंपर चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। उस पर भारतीय दंड संहिता और मोटर वाहन अधिनियम की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि स्नेहा डाभिलकर मोटरसाइकिल चला रही थी तभी विपरीत दिशा से तेज गति से आ रहे एक डंपर ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि टक्कर लगने से पति पत्नी दोनों नीचे गिर गये और महिला की डंपर से कुचलकर मौत हो गयी। उन्होंने बताया कि महिला का पति घायल हो गया और उसका एक अस्पताल में उपचार हो रहा है। पुलिस ने बताया कि वह हाल में बृहन्मुंबई महानगरपालिका से सेवानिवृत्त हुआ था और दंपति विदेश घूमने की योजना बना रहा था।

जीवन में हजारों लड़ाइयां जीतने से बेहतर स्वयं पर विजय प्राप्त कर लो। फिर जीत हमेशा तुम्हारी होगी, जिसे तुमसे कोई नहीं छिन सकता। - महात्मा गौतम बुद्ध

उल्हास विकास

संपादकीय

महानगरों में पानी का मिसमैनेजमेंट

गर्मी के मौसम में पानी की किल्लत हर जगह नजर आने लगती है। जलवायु परिवर्तन की वजह से पारंपरिक जल स्रोतों के सूखते जाने से यह संकट हर वर्ष कुछ बढ़ा हुआ दर्ज होने लगा है। खासकर महानगरों में पानी की समस्या गर्मी का मौसम शुरू होते ही बढ़ जाती है। दिल्ली भी इससे अछूती नहीं है। हर गर्मी में हरियाणा के साथ उसकी ठन जाती है कि हरियाणा समझौते के अनुसार उसके हिस्से का पानी नहीं छोड़ता।

इस बार भी मामला अदालत तक पहुंच गया है। पिछले हफ्ते दिल्ली सरकार ने पानी की बर्बादी रोकने के मकसद से व्यर्थ पानी बहाने वालों पर दो हजार रुपए जुर्माना लगाने का ऐलान किया। इसके लिए जल बोर्ड को दो सौ निगरानी दल गठित करने को कहा गया। पानी के बंटवारे पर अदालत का फैसला जो भी आए, पर हर वर्ष की इस स्थायी बन चुकी समस्या के मद्देनजर यह जरूरत सदा रेखांकित होती रही है कि अगर ठीक से पानी का प्रबंधन हो, तो इस समस्या से काफी हद तक पार पाया जा सकता है।

इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि पानी के मसले पर केवल सरकार की नाकामियां गिनाने और उसके मत्थे दोष मढ़ कर अपनी जिम्मेदारियों से मुक्ति पा लेने की कोशिशों से काम नहीं चलेगा। इसमें नागरिक दायित्व निर्वहन की भी जरूरत है। जब तक लोग खुद अपनी जिम्मेदारी नहीं समझेंगे कि बेवजह पानी बहाना कोई शान की बात नहीं, तब तक डंडे के जोर पर उन्हें नहीं रोका जा सकता। मगर इसका अर्थ यह भी नहीं कि इससे जल बोर्ड की जिम्मेदारियां समाप्त हो जाती हैं। जगह-जगह पाइपों के फटने से दिन भर पानी बहता रहता है। महीनों उनकी मरम्मत नहीं हो पाती। फिर, वर्षों पहले वर्षा जल संचय के लिए दिल्ली में जलाशय बनाने की जो योजना पेश की गई थी, उस पर अपेक्षित काम नहीं हो पाया है। संगठनों के सहयोग से जल संकट से पार पाने के उपायों पर कारगर कदम उठाए जा सकते हैं। हालांकि जल बंटवारे को लेकर जिस तरह अनेक राज्यों के बीच अक्सर विवाद खड़े हो जाते हैं, उसके लिए भी व्यावहारिक कदम की अपेक्षा बनी हुई है।

पानी की किल्लत दूर करने के उपाय जरूरी

शहर आर्थिक विकास के इंजन हैं, तो पानी उन्हें चलाने वाला एक बेहद जरूरी ईंधन। बढ़ती आबादी व तेज शहरीकरण ने स्वच्छ जल संसाधनों पर भारी दबाव डाला है। अब महानगरों से निकलने वाले अपशिष्ट या प्रयुक्त जल प्रबंधन (यूज्ड वाटर मैनेजमेंट) को मुख्यधारा में लाना एक आशाजनक विकल्प बन गया है।

अभी भारत अपने शहरों से निकले कुल अपशिष्ट जल (वेस्ट वाटर) के सिर्फ 28 प्रतिशत हिस्से का शोधन करता है। 2021 में उपलब्ध शोधित अपशिष्ट जल का दैनिक बाजार मूल्य 63 करोड़ रुपये आंका गया था। काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वाटर (सीईईडब्ल्यू) की हालिया रिपोर्ट ने पहला शहरी प्रयुक्त जल प्रबंधन सूचकांक सामने रखा है। इसके माध्यम से प्रयुक्त जल प्रबंधन के मामले में 10 राज्यों के 503 शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) के प्रदर्शन का आकलन किया गया है। इन राज्यों में आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, झारखंड, मध्य प्रदेश, पंजाब, राजस्थान और पश्चिम बंगाल शामिल हैं, जहां प्रयुक्त जल के पुनः उपयोग की नीति लागू है। यह सूचकांक पांच विषयों-वित्त, बुनियादी ढांचा, कुशलता, प्रशासन, और आंकड़े व सूचना पर शहरी स्थानीय निकायों की एक तुलनात्मक रैंकिंग करता है। हमारा विश्लेषण बताता है कि शुष्क और अर्ध शुष्क क्षेत्रों के पानी की किल्लत का सामना करने वाले राज्यों ने प्रयुक्त जल प्रबंधन के लिए कुछ ठोस कदम उठाए हैं। इसकी वजह से सूचकांक में उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है। इनमें हरियाणा शीर्ष पर है। इसके बाद

कर्नाटक, पंजाब, राजस्थान और गुजरात हैं। शीर्ष प्रदर्शन करने वाले हरियाणा और कर्नाटक जैसे राज्य भी पांच अंकों में से सिर्फ क्रमशः 1.94 व 1.74 अंक ही पा सके। यह दर्शाता है कि पूरे देश में जल सुरक्षा पर उच्च प्राथमिकता के साथ काम करने की आवश्यकता है।

शहरी निकायों में अपशिष्ट जल शोधन और उसके पुनः उपयोग की दिशा में पर्याप्त कदम उठाने की जरूरत है। जैसे, सूरत नगर निगम ने 2019 में शोधित अपशिष्ट जल के शोधन और पुनः उपयोग के लिए एक कार्य योजना अपनाई थी, जिसका लक्ष्य 2025 तक 70 प्रतिशत और 2030 तक 100 प्रतिशत पुनः उपयोग स्तर को पाना है। भारत के शहरी स्थानीय निकायों में प्रयुक्त जल प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए कई बातों पर ध्यान दिया जा सकता है।

पहला-राज्यस्तरीय व्यापक कार्ययोजना बनाने की जरूरत है। इस मामले में हरियाणा से सीखा जा सकता है, जिसने 2014 से 2023 तक 73 नए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट बनाने के लिए 433 करोड़ रुपये निवेश करने की योजना बनाई है। अभी 10 राज्यों ने ही शोधित प्रयुक्त जल नीति लागू की है। दूसरा-राज्यों को अपनी स्थानीय जरूरतों और मांगों के अनुरूप विशेष उपायों को प्राथमिकता देने की जरूरत है। धान उत्पादक पंजाब ने शोधित अपशिष्ट जल के पुनः उपयोग के लिए बुनियादी ढांचे में निवेश को प्राथमिकता दी है। साथ ही कृषि को पुनः उपयोग के प्रमुख क्षेत्र के रूप में चिह्नित किया है। सिंचाई के लिए 5,541 हेक्टेयर क्षेत्र तक शोधित अपशिष्ट जल पहुंचाने के लिए 2020 तक 94 करोड़ रुपये की लागत से 47 परियोजनाएं पूरी कर डाली थीं। तीसरा-राज्यों को प्रयुक्त जल प्रबंधन में एक-दूसरे से सीखने के लिए एक प्लेटफॉर्म बनाने की जरूरत है। यह पहल गुजरात जैसे राज्यों के लिए ज्यादा उपयोगी होगी। यहां के चार शहरी स्थानीय निकाय -सूरत, वडोदरा, राजकोट और जामनगर प्रयुक्त जल प्रबंधन में शीर्ष 10 शहरी निकायों में शामिल हैं, जबकि राज्य पांचवें स्थान पर है, जो राज्य के भीतर विभिन्न शहरी निकायों के प्रदर्शन में अंतर को दिखाता है।

शोधित अपशिष्ट जल से व्यापक आर्थिक लाभ की संभावनाएं हैं। उदाहरण के लिए, वर्ष 2021 में उपलब्ध शोधित अपशिष्ट जल को अगर चुनिंदा बागवानी फसलों की सिंचाई के लिए इस्तेमाल किया जाता, तो राष्ट्रीय स्तर पर 966 अरब रुपये का राजस्व पैदा कर सकता था। भारतीय राज्यों और शहरी स्थानीय निकायों के लिए अब समय आ गया है कि वे शोधित अपशिष्ट जल के पुनः उपयोग को प्राथमिकता दें। यह स्वच्छ जल पर दबाव को घटाने में मददगार होगा, जिसकी कमी से कई भारतीय शहर जूझ रहे हैं। यह शहरी स्थानीय निकायों के लिए राजस्व सृजन के अतिरिक्त विकल्पों को भी खोलेगा।

हमारे अंदर एक ऐसा स्थान मौजूद है जहाँ हम इस दुनिया के दुखों-दर्दों से छुटकारा पा सकते हैं। हम यहाँ ध्यानाभ्यास के द्वारा जा सकते हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

चुनाव में बढ़ती हिंसा चिंताजनक

निर्वाचन आयोग के समक्ष स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराने के अलावा चुनावी हिंसा पर लगाम लगाना भी बड़ी चुनौती होती है। इसी के मद्देनजर वह मतदान की तारीखों का निर्धारण और सुरक्षाबलों की तैनाती करता है। चुनावी हिंसा की दृष्टि से पश्चिम बंगाल, बिहार और उत्तर प्रदेश सबसे अधिक संवेदनशील माने जाते हैं। इनमें पश्चिम बंगाल में हिंसा की आशंका सबसे अधिक रहती है। वहां शायद ही कोई ऐसा चुनाव हो, जब हिंसा और उपद्रव न होता हो। हालांकि इस बार दूसरे चुनावों की तुलना में कहा जा सकता है कि हिंसा कम हुई, पर कोई ऐसा चरण नहीं गुजरा, जिसमें राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़पें न हुई हों।

सातवें और अंतिम चरण के मतदान की रात नदिया जिले में एक भाजपा कार्यकर्ता की हत्या कर दी गई, जिसे लेकर वहां तनाव पैदा हो गया। आरोप है कि तृणमूल कांग्रेस के लोगों ने उसकी हत्या की। तृणमूल का कहना है कि पारिवारिक रंजिश के चलते वह हत्या हुई। इसी तरह बिहार के नालंदा में एक जद(एकी) कार्यकर्ता की हत्या कर दी गई। बताया जाता है कि वह कार्यकर्ता सातवें चरण के दौरान एक मतदान केंद्र पर एजंट था। जद(एकी) का कहना है कि राष्ट्रीय जनता दल और माकपा कार्यकर्ताओं ने अपनी हार की बौखलाहट में वह हत्या कर दी।

चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं के बीच उत्तेजना और परस्पर टकराव कोई अनहोनी बात नहीं। वैचारिक टकराव जीत के जुनून में अक्सर हिंसा का रूप ले लेते हैं। इसके पीछे निस्संदेह राजनीतिक दलों के प्रचारकों का भी बड़ा हाथ होता है। वे मंचों से जिस तरह के

उत्तेजक भाषण देते हैं, उससे कार्यकर्ताओं का आवेशित होना स्वाभाविक है। इसी आवेश में वे अपने नेता और राजनीतिक दल के लिए मर मिटने को तैयार नजर आने लगते हैं। यह भी छिपी बात नहीं कि राजनीतिक दल अब धनबल के साथ-साथ बाहुबल को भी प्रश्रय देने लगे हैं।

कई राजनीतिक दल बाहें फैला कर बाहुबली नेताओं का स्वागत करते देखे जाते हैं। बेशक कुछ नेता सार्वजनिक मंचों से अपने कार्यकर्ताओं को संयम से काम लेने की नसीहत देते हैं, पर सच्चाई यही है कि कोई भी अपने उपद्रवी कार्यकर्ताओं के खिलाफ कठोर कदम नहीं उठाता। पश्चिम बंगाल में तो खुलेआम राजनीतिक दल अपने कार्यकर्ताओं की उपद्रवी गतिविधियों को संरक्षण देते देखे जाते हैं। ऐसे में वहां हिंसा का वातावरण सदा बना रहता है। न केवल चुनाव के दौरान, बल्कि चुनाव के बाद भी। विधानसभा और पंचायत चुनावों के दौरान यह कुछ बढ़ जाता है।

दरअसल, उन्हीं जगहों पर चुनावी हिंसा अधिक होती है, जहां राजनीतिक कार्यकर्ताओं में वैचारिक के बजाय निजी स्वार्थों का संघर्ष अधिक होता है। पश्चिम बंगाल, बिहार और उत्तर प्रदेश में राजनीतिक कार्यकर्ता किसी न किसी लाभ के लोभ में राजनेताओं से जुड़े रहते हैं। अगर सत्तापक्ष के राजनेता होते हैं, तो वे अपने कार्यकर्ताओं को किसी काम का ठेका, किसी योजना के संचालन में हिस्सेदारी, अनुदान वगैरह देकर उन्हें उपकृत करते रहते हैं। पश्चिम बंगाल और बिहार में यह कुछ अधिक देखा जाता है। इसलिए हर कार्यकर्ता अपने नेता के लिए संघर्ष करता देखा जाता है। राजनीतिक दल अपना जनाधार कार्यकर्ताओं के बल पर ही बढ़ा पाते हैं। मगर उन्हें वैचारिक स्तर पर ही संवेदित किया जाए, तभी लोकतंत्र के मायने रहते हैं, उन्हें स्वार्थ से जोड़ कर हिंसा में झोंक देना किसी भी रूप में उचित नहीं कहा जा सकता।

कॉकरोचों से भरा है अमेरिका का 'सबसे गंदा शहर'

अगर आप सोचते हैं कि अमेरिका जैसे विकसित देश के सभी शहर बहुत अच्छा और साफ सुथरे होते हैं, तो आप

जरा हट के

सही नहीं हैं. एक अमेरिकी शहर ऐसा भी है जो गंदगी के लिए ज्यादा ही जाना जाता है. इसके बारे में कहा जाता है कि उसके घरों में कीड़े रेंगते रहते हैं और यह इतना खराब है कि हवा में सांस लेने से भी आप बीमार हो सकते हैं. एक सर्वे में उसे अमेरिका के सबसे गंदे शहरों में से एक बताया गया है.

लॉनस्टार्टर द्वारा 2023 के एक अध्ययन में, राज्यों के 150 से अधिक सबसे बड़े शहरों की तुलना चार समूहों में की गई ताकि यह देखा जा सके कि कौन शीर्ष पर आएगा. समूह में प्रदूषण, रहने की स्थिति, बुनियादी ढांचा और ग्राहकों की संतुष्टि जैसी बातों का ध्यान रखा गया था.

सबसे अधिक औसत अंक पाने वाले शहर को 'सबसे गंदा' दर्जा दिया गया, जबकि सबसे कम औसत अंक वाले शहर को सबसे साफ शहर का दर्जा दिया गया. इस तरह से सर्वे के मुताबित अमेरिका का सबसे गंदा शहर टेक्सास का ह्यूस्टन है,

जिसे सबसे गंदे शहर का दर्जा मिला है.

स्पेस सिटी रैंकिंग के कूड़े के ढेर में सबसे ऊपर आ गया, जिसने अपने पूर्ववर्ती नेवार्क, न्यू जर्सी को दूसरे स्थान पर धकेल दिया है. ह्यूस्टन का सम्मान इसकी भयानक वायु गुणवत्ता, बुनियादी ढांचे की समस्याओं और घरों में घुसने वाले कीड़ों की चौंका देने वाली संख्या के कारण मिला है.

लॉनस्टार्टर की सहयोगी साइट पेस्टग्नोम ने डेटा निकाला, जिसमें दिखाया गया कि ह्यूस्टन में कॉकरोच की सबसे खराब समस्या है, शहर में खौफनाक जीव रेंग रहे हैं. कई लोगों का कहना था कि इन हालातों में रहना उनके लिए जीवन का एक तरीका बन गया था.2023 में उत्तरी ह्यूस्टन के क्रैनब्रुक फ़ॉरेस्ट अपार्टमेंट के निवासियों ने कहा कि वे चूहों के साथ-साथ अन्य समस्याओं से भी तंग आ चुके हैं, जिनसे वे जूझ रहे थे.

खाना-खजाना

शाही फिरनी

फिरनी एक क्लासिक इंडियन डिजर्ट है, जिसके बिना कई त्योहारों की रौनक अधूरी रहती है। दूध और चावल की मदद से बनाई जाने वाली इस लजीज मिठाई को आप घर पर आसानी से बनाकर खा सकते हैं। बता दें, कि गर्मियों में ये ठंडी-ठंडी फिरनी आपके गले को एकदम तर कर देगी। आइए बिना देर किए जान लीजिए इसे बनाने की आसान रेसिपी।

सामग्री :

- चावल- 1/2 कप
- दूध- 2 लीटर
- चीनी- 1 कप
- मावा- 1 कप
- देसी घी- 2 टी स्पून
- केसर- 1 चुटकी
- बादाम- 1/2 कप
- काजू- 1/2 कप
- पिस्ता (बारीक कटा हुआ)- 2 चम्मच

- किशमिश- 2 चम्मच
- चिरौंजी- 2 चम्मच
- दालचीनी- 1 टुकड़ा

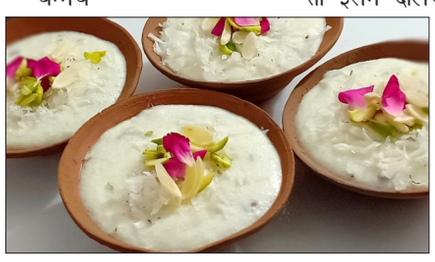

विधि :

फिरनी बनाने के लिए सबसे पहले एक बर्तन में चावल को धो लें। इसके बाद इन्हें करीब आधे घंटे भिगोकर रख दें। अब इन चावलों को मिक्सी में डालकर दरदरा पीस लें। फिर एक बर्तन में दूध डालें और उबलने के लिए रख दें। अब जब दूध में उबाल आ जाए तो इसमें दालचीनी, मावा और बाकी सभी ड्राई फ्रूट्स डाल दें। इसके बाद इसे तब तक पकाएं जब तक दूध थोड़ा गाढ़ा न हो जाए। फिर इसमें चावल डालें और अच्छे से मिक्स कर दें। अब इसमें केसर डालें और चलाते हुए अच्छी से पकने दें। इसके बाद इसमें चीनी डालकर अच्छी तरह से घोल लें। बस तैयार है आपकी टेस्टी शाही फिरनी। गर्मियों में इसे फ्रिज में ठंडा करके ही सर्व करें।

आज का राशिफल

मेष : विद्यार्थी वर्ग सफलता अर्जित करेगा। पठन-पाठन में मन लगेगा। दूर यात्रा की योजना बन सकती है। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा।

वृषभ : वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी के व्यवहार से क्लेश हो सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। दुःखद समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। प्रतिद्वंद्विता बढ़ेगी। पारिवारिक चिंता में वृद्धि होगी। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलेगी।

मिथुन : आज धन का निवेश न करें। शत्रु नतमस्तक होंगे। विवाद को बढ़ावा न दें। प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के स्रोतों में वृद्धि हो सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा। चोट व रोग से बाधा संभव है। फालतू खर्च होगा। सहयोग प्राप्त होगा।

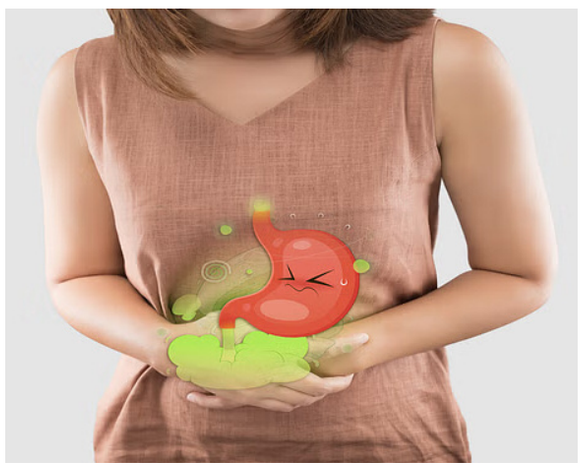

कर्क : लेन-देन में सावधानी रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार में तनाव रह सकता है। शुभ समाचार मिलेंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार के साथ मनोरंजन का कार्यक्रम बन सकता है।

सिंह : रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कोई बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है। आय में वृद्धि होगी। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी।

कन्या : अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी विवाद में उलझ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जोखिम न उठाएं। घर-बाहर असहयोग मिलेगा। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा।

तुला : बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। बेचैनी रहेगी। थकान महसूस होगी।

वृश्चिक : नई आर्थिक नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। कारोबारी अनुबंधों में वृद्धि हो सकती है। समय का लाभ लें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है।

धनु : बेचैनी रहेगी। चोट व रोग से बचें। काम का विरोध होगा। तनाव रहेगा। कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल होंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। सुख के साधनों पर व्यय हो सकता है।

मकर : आज धन का निवेश न करें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद से क्लेश संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। अपेक्षित कार्यों में अप्रत्याशित बाधा आ सकती है। तनाव रहेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

कुंभ : कष्ट, भय, चिंता व बेचैनी का वातावरण बन सकता है। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। मातहतों से संबंध सुधरेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी।

मीन : भूमि, भवन, दुकान व फैक्टरी आदि के खरीदने की योजना बनेगी, जल्दबाजी न करें। रोजगार में वृद्धि होगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। अपरिचितों पर अतिविश्वास न करें। कुबुद्धि हावी रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। प्रमाद न करें।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

गर्मियों में पेट फूलने और गैस की हो सकती है दिक्कत

इन चीजों का कम कर दें सेवन

गर्मियों में पाचन से संबंधित समस्याओं का खतरा अधिक देखा जाता रहा है। भोजन के रखरखाव में गड़बड़ी, बैक्टीरिया-वायरस से दूषित आहार का सेवन करने से फूड पॉइजनिंग जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा गर्मी के दिनों में निर्जलीकरण का भी जोखिम रहता है जिसके कारण भोजन के पाचन पर नकारात्मक असर हो सकता है। ये स्थितियां अपच-गैस और पेट फूलने जैसी दिक्कतें बढ़ा सकती हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, गर्मी के दिनों में खान-पान को लेकर विशेष सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता होती है। इन दिनों में ज्यादा तेल मसाले, तली हुई चीजों के सेवन से बचाव करना जरूरी है। आइए जानते हैं कि आपको गर्मियों में किन चीजों से परहेज करना चाहिए जिससे पेट फूलने और गैस जैसी पाचन स्वास्थ्य की

समस्याओं से बचाव किया जा सके?

पेट की समस्याओं का जोखिम

दिल्ली स्थित अस्पताल में गैस्ट्रोलॉजिस्ट डॉ रिजवान खान बताते हैं, पेट में दर्द और सूजन का सबसे आम कारण आंतों में अत्यधिक गैस बनना है। अगर आपको खाने के बाद अक्सर पेट फूला हुआ महसूस होता है, तो यह पाचन संबंधी समस्या का संकेत है। कुछ प्रकार की अंतर्निहित बीमारियों के कारण इसका जोखिम देखा जाता रहा है। इसके अलावा आहार के चयन में गड़बड़ी और पाचन में कठिन चीजों का सेवन करने के कारण गैस और पेट फूलने की दिक्कत हो सकती है।

आइए जानते हैं कि गैस-पेट फूलने की समस्या से बचे रहने के लिए किन चीजों से बचाव करना चाहिए।

राजमा-बीन्स से बढ़ सकती हैं दिक्कतें

गर्मियों में राजमा, बीन्स, छोले जैसी पाचन में कठिन चीजों के अधिक सेवन से बचना चाहिए। इनका पाचन तो कठिन होता ही है साथ ही ये गैस पैदा करने वाले खाद्य पदार्थ हैं। आमतौर पर दालें और बीन्स प्रोटीन से भरपूर होते हैं लेकिन इनका पाचन कठिन होने के कारण गैस बनने लगती है, जो पेट में सूजन का कारण बन सकती है। गर्मी के दिनों में ज्यादा तली-भुनी चीजों के सेवन से भी बचना चाहिए।

क्रूसिफेरस सब्जियां बढ़ा सकती हैं समस्या

ब्रोकली एक क्रूसिफेरस सब्जी है, जिसका गर्मी के दिनों में सीमित मात्रा में ही सेवन करना चाहिए। इसमें रैफिनोज नामक शर्करा होती है जिसे पचाना कठिन होता है। इससे गैस और पेट फूलने की समस्या हो सकती है। रात में ब्रोकली खाने से अपच भी हो सकती है जिसके कारण रात की नींद के भी बाधित होने का खतरा रहता है।

लहसुन और प्याज के नुकसान

लहसुन को इसके कई पोषण गुणों और इससे मिलने वाले स्वास्थ्य लाभों के कारण सुपरफूड माना जाता है। हालांकि, लहसुन में फ्रुक्टेन नामक तत्व भी होते हैं जो पेट फूलने और गैस का कारण बन सकते हैं। इससे एसिड रिफ्लक्स का खतरा भी हो सकता है। इसी तरह से प्याज में भी फ्रुक्टेन की मात्रा होती है जो एक प्रकार का कार्बोहाइड्रेट है जो गैस और सूजन का कारण बन सकता है। अगर आपको पेट फूलने की समस्या है, तो रात के खाने में प्याज खाने से बचें।

मीठी लीची - गलत समय पर खाने से होगा नुकसान

गर्मी का महीना शुरू होते ही मार्केट में तरह-तरह के फल आना शुरू हो जाते हैं। लीची उन फलों में से एक है। इस मौसम में हर कोई लीची का बेसब्री से इंतजार करता है। इसे फल के रूप में खाने के साथ ही जूस और डेजर्ट के रूप में खाया जाता है। भले ही ये एक मीठा फल है लेकिन इसमें भी पानी की मात्रा काफी अच्छी होती है। इस फल में प्रोटीन, कार्ब्स, चीनी, फाइबर और फैट्स होते हैं। इसे सही समय पर खाना काफी जरूरी है। यहां जानिए इस फल को खाने का सही समय और एक दिन में कितनी खाएं।

क्या है लीची खाने का सही समय?

लीची का मजा लेने का सबसे अच्छा समय सुबह या दोपहर के नाश्ते के रूप में है। खाली पेट लीची खाने से पोषक तत्वों का अवशोषण ज्यादा हो सकता है। वहीं नाश्ते और दोपहर के खाने के बीच स्नैक के तौर पर लेने से एनर्जी का लेवल बना रहता है और आप खुद को अनहेल्दी स्नैकिंग से बचा सकते हैं।

एक दिन में कितनी लीची खाएं?

स्वाद में अच्छी लगने वाली लीची को हर कोई मन भर के खाता है। हालांकि, हेल्दी वजन बनाए रखते हुए लीची के फायदों को पाना चाहते हैं तो एक दिन में 10-12 लीची खाने की सलाह दी जाती है। रिपोर्ट्स की मानें तो अगर आप इसी मात्रा में लीची खाते हैं तो ये पोषक तत्व देती हैं।

लीची शरीर के लिए ठंडी है या गर्म?

गर्मी में आने वाला फल लीची में कई विटामिन, मिनरल्स और हेल्दी एंटीऑक्सीडेंट का अच्छा स्रोत है। मीठा और पौष्टिक होने के अलावा, चिलचिलाती गर्मी को मात देने के लिए ये फल बेहतरीन है। ये आपके शरीर में ठंडक बनाए रखता है।

साइकिल चलाने से मिलते हैं गजब के फायदे

साइकिल चलाने से सेहत को कई तरह के फायदे मिलते हैं। पूरी दुनिया में 3 जून को विश्व साइकिल दिवस मनाया जाता है। इसे मनाने का उद्देश्य दुनियाभर में साइकिलिंग के फायदों पर जागरूकता फैलाना है। रोजाना साइकिल चलाने से हेल्थ को कई तरह के फायदे मिलते हैं। मुख्य रूप से एक एरोबिक गतिविधि है, जो आपके दिल, ब्लड वेसल्स और फेफड़ों के लिए अच्छी है। साइकिल चलाते समय आप गहरी सांस लेंगे, पसीना बहाएंगे और शरीर के तापमान में वृद्धि का अनुभव करते हैं। ऐसे में ये आपकी ओवरऑल फिटनेस में सुधार करता है।

साइकिल चलाने के हेल्थ बेनिफिट्स

- दिल रहेगा फिट
- मांसपेशियों की शक्ति और लचीलेपन में वृद्धि
- तनाव का स्तर कम होगा
- हड्डियां मजबूत होंगी

शरीर में फैट का लेवल कम होता है

- चिंता और डिप्रेशन की समस्या कम होगी

क्या साइकिल चलाने से शरीर का आकार बेहतर होता है?

अगर कोई व्यक्ति नियमित तौर पर साइकिल चलाता है तो शरीर को बेहतर आकार मिलता है। ये एक हार्ट एक्सरसाइज है जो कैलोरी बर्न करती है। साइकिल चलाने पर पेट के आसपास की जिद्दी कैलोरी भी बर्न होती है। लगातार साइकिल चलाने से पूरे शरीर की चर्बी कम करने में मदद मिल सकती है। अच्छे रिजल्ट के लिए साइकिल चलाने के साथ संतुलित डायट लेना जरूरी है।

साइकिल चलाने से शरीर के कौन से अंग सुडौल होते हैं?

शरीर के निचले हिस्से, खासकर पैरों को टोन करने के लिए साइकिल चलाना बहुत अच्छा माना जाता है। साइकिलिंग के दौरान हैमस्ट्रिंग और क्वाड्रिसेप्स सबसे ज्यादा टार्गेट होने वाली मांसपेशियों में से हैं, हैमस्ट्रिंग आपकी जांघों के पीछे होती हैं और अपस्ट्रोक मोशन के दौरान शामिल होती हैं।

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

चंद्रशेखर आजाद ने बड़ी जीत दर्ज की

नगीना. नगीना सीट पर आजाद समाज पार्टी के चंद्रशेखर 151473 वोटों से जीत गए हैं। चुनाव आयोग की वेबसाइट के अनुसार अब तक हुई वोटों की गिनती में उन्हें 512552 वोट मिले हैं। जबकि भाजपा के ओम कुमार को 361079 वोट पाकर हार गए हैं। वहीं समाजवादी पार्टी के मनोज कुमार को 102374 वोट मिले हैं। लोकसभा चुनाव के पहले चरण में 19 अप्रैल को नगीना में मतदान हुआ था।

डिंपल यादव ने जीता मैनपुरी का रण

मैनपुरी. मैनपुरी लोकसभा सीट पर सुबह 8 बजे से जारी मतगणना अब खत्म हो गई है। यहां सपा उम्मीदवार डिंपल यादव बम्पर वोटों से जीती हैं। सपा की डिंपल यादव ने भाजपा प्रत्याशी जयवीर सिंह को 221639 वोटों के बड़े अंतर से पराजित कर दिया। डिंपल यादव को 598526 और जयवीर सिंह को 376887 वोट मिले। तीसरे स्थान पर रहे बसपा के शिवप्रसाद यादव को 66814 वोटों से संतोष करना पड़ा। बसपा के शिवप्रसाद की इस लोकसभा चुनाव में जमानत जब्त हो गई। लोकसभा चुनाव में कुल आठ प्रत्याशियों ने दांव खेला था। नोटा के खाते में भी 4582 वोट आए हैं।

कैसरगंज में भाजपा के करण भूषण सिंह जीते

कैसरगंज. कैसरगंज सीट पर बाहुबली बृजभूषण शरण सिंह के बेटे करण भूषण सिंह 148843 वोटों से जीत गए हैं। उन्हें कुल 571263 वोट मिले हैं। समाजवादी पार्टी से उतरे भगत राम मिश्रा 422420 वोटों के साथ हार गए हैं। यहां चुनाव पांचवें चरण में 20 मई को हुआ था। कैसरगंज सीट पर 2014 से लगातार भाजपा का कब्जा रहा है। यह सीट पिछले काफी लम्बे समय से सुर्खियों में थी। इसकी वजह महिला पहलवानों के यौन शोषण के आरोपों से घिरे यहां के सांसद बृजभूषण शरण सिंह थे।

मुख्तार अंसारी के भाई अफजाल फिर जीते

गाजीपुर. गाजीपुर लोकसभा सीट एक बार फिर मुख्तार अंसारी के भाई अफजाल अंसारी ने जीत ली है। अफजाल ने भाजपा प्रत्याशी पारसनाथ राय को करीब सवा लाख वोटों से हराया है। अफजाल पिछली बार बसपा के टिकट पर उतरे और सांसद बने थे। इस बार सपा ने अफजाल को टिकट दिया था। अफजाल अंसारी को 527339 वोट मिले। भाजपा के पारसनाथ राय को 403892 वोट मिले। इस तरह अफजाल अंसारी ने 123447 वोटों से जीत हासिल की है।

अमेठी से किशोरी लाल शर्मा जीते

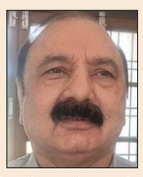

अमेठी. यूपी की हाईप्रोफाइल लोकसभा सीट अमेठी के परिणाम हैरान करने वाले रहे। इस सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी किशोरी लाल शर्मा ने भाजपा प्रत्याशी स्मृति ईरानी को करीब एक लाख 45 हजार वोटों से हरा दिया। 2019 के लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी को हराने वाली स्मृति ईरानी को इस बार 3 लाख 40 हजार 693 मत मिले जबकि किशोरी लाल शर्मा को 4 लाख 86 हजार 166 मत मिले। 2024 के चुनाव में राहुल गांधी के अमेठी से चुनाव लड़ने की हर ओर से आवाज उठी।

बहुमत से फिसले नरेंद्र मोदी को अब नीतीश कुमार और चंद्रबाबू का सहारा

पार्टी	आगे	जीते	कुल
NDA	82	211	293 (-59)
I.N.D.I.A.	75	128	203 (+127)
तृणमूल कांग्रेस	10	19	29 (+6)
अन्य	3	15	18 (-52)

नई दिल्ली. पीएम नरेंद्र मोदी ने चुनाव से पहले 400 पार का नारा दिया था, लेकिन आज जब देश भर में ईवीएम खुल रही हैं तो भाजपा 250 सीटों से नीचे ही ठहरती दिख रही है। ऐसी स्थिति में भाजपा अकेले दम पर सरकार नहीं बना सकेगी और उसे 272 के जादुई आंकड़े के लिए साथियों की जरूरत होगी। ऐसी स्थिति में भाजपा के लिए बिहार के सीएम नीतीश कुमार और आंध्र प्रदेश के चंद्रबाबू नायडू सहारा बनते दिख रहे हैं। जेडीयू ने बिहार में कुल 15 सीटों पर बढ़त बना रखी है और टीडीपी ने आंध्र में 16 सीटें पाई हैं। यही नहीं आंध्र में तो चंद्रबाबू नायडू और भाजपा का गठबंधन करीब 150 सीटों पर आगे चल रहे हैं। इस तरह नायडू की लॉटरी लग गई है।

वह राज्य में सीएम बनने वाले हैं तो वहीं केंद्र सरकार में भी उनका दखल होगा। पहले भी दोनों नेता किंगमेकर रहे हैं और अटल बिहारी वाजपेयी के दौर में सरकार का हिस्सा थे। इस तरह नायडू और नीतीश कुमार के लिए एक बार फिर से पुराना दौर लौट आया है। नायडू के लिए तो यह बड़ी सफलता है क्योंकि उन्होंने 17 सीटों पर ही चुनाव लड़ा था और 16 पर बढ़त बना रखी है। यदि टीडीपी की 16 और जेडीयू की 14 सीटें भाजपा को मिलती हैं तो लगभग 245 सीटों वाली पार्टी 275 के दावे के साथ सरकार बना सकेगी। इसके अलावा एकनाथ शिंदे की लीडरशिप वाली शिवसेना भी 7 सीटें जीतती दिख रही है। ऐसे में 280 के पार का आंकड़ा आसानी से सरकार बनवा देगा।

चंद्रबाबू नायडू तो भाजपा के साथ 2014 और 2019 में भी थे, लेकिन बाद में कांग्रेस के साथ चले गए थे। फिर इसी साल मार्च में वह एनडीए में वापस लौट आए। यही नहीं नीतीश कुमार भी INDIA अलायंस का गठन कराने वाले नेता थे, लेकिन चुनाव से ठीक पहले ही वह भाजपा के साथ आ गए थे। अब दोनों दल मिलकर बिहार में सरकार चला रहे हैं। इस तरह भाजपा के लिए यह अच्छा ही रहा कि चुनाव से ठीक पहले ही चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार उसके साथ आ गए थे। अब उसके लिए इन्हें मैनेज करना उतना कठिन नहीं होगा और आसानी से सरकार का गठन कर पाएगी।

बमुश्किल 290 सीटें पाकर सरकार बनाएगा NDA

एनडीए में ही पवन कल्याण भी हैं, जिनकी पार्टी दो सीटें जीत गई है। यही नहीं चिराग पासवान की पार्टी लोकजनशक्ति रामविलास भी 5 सीटों पर आगे हैं। एक सीट पर अजित पवार की एनसीपी आगे है। यदि इस पूरे आंकड़े को मिला दें तो एनडीए के खाते में 290 सीटें पहुंच सकती हैं। इस तरह भाजपा सरकार बनाने की ओर है, लेकिन यह सीटें उसकी अपेक्षा के अनुसार बहुत कम हैं। इस तरह एनडीए सरकार को अपने पूरे कार्यकाल में नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू के ही भरोसे रहना होगा।

राहुल बोले- रिजल्ट कह रहा, देश मोदी-शाह को नहीं चाहता

- **सवाल- JDU-TDP को साथ लाएंगे क्या;**
- **जवाब- गठबंधन की बैठक में तय होगा**

नई दिल्ली. लोकसभा की 543 सीटों पर जारी गिनती के बीच कांग्रेस राहुल गांधी ने दिल्ली के पार्टी दफ्तर में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। बहन प्रियंका के साथ वे मुस्कुराते हुए पार्टी ऑफिस पहुंचे। उनके साथ मां सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और जयराम रमेश भी थे।

राहुल ने अपने मीडिया से 7 मिनट बात की। उन्होंने लोकसभा के रिजल्ट और रुझान को लेकर कहा- देश मोदी-शाह को नहीं चाहता। ये लड़ाई संविधान को बचाने की थी। मैं सच बताऊं तो मेरे माइंड में था कि जब हमारा अकाउंट सीज किया गया। दो-दो मुख्यमंत्रियों को जेल में डाला गया। तब मेरे जेहन में था कि जनता संविधान बचाने के लिए लड़ेगी।

भारत की जनता ने संविधान और लोकतंत्र को बचा लिया है। देश की वंचित और गरीब आबादी अपने अधिकारों की रक्षा के लिए INDIA के साथ खड़ी हो गयी। गठबंधन के सभी साथियों और कांग्रेस के बब्बर शेर कार्यकर्ताओं को बधाई।

राहुल ने उत्तर प्रदेश में मिले रिजल्ट के लिए बहन प्रियंका की भी तारीफ की। प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा- मैं बहुत खुश हूं। मैं यूपी के लोगों से कहना चाहती हूं कि उन्होंने बहुत विवेक दिखाया है। मुझे यूपी पर सबसे ज्यादा गर्व है।

ओडिशा में पहली बार भाजपा सरकार

नवीन पटनायक राज 24 साल बाद खत्म, खुद भी हारे

भुवनेश्वर. ओडिशा में भाजपा बड़ी जीत की तरफ आगे बढ़ रही है। भाजपा ने बड़ी बढ़त हासिल की है और 60 से अधिक सीटों को अपने नाम कर चुकी है। भाजपा राज्य में सरकार बनाने की ओर अग्रसर है। भाजपा की जीत के साथ ही पटनायक का देश के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री बनने का सपना टूट गया है। बता दें यह रिकॉर्ड सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग के पास है।

नवीन पटनायक ने राजनीति में कदम रखते ही अपना पहला चुनाव अस्का निर्वाचन क्षेत्र से जीता और 1998 और 1999 में दो बार उस निर्वाचन क्षेत्र से सांसद बने। उन्होंने 2024 के ओडिशा विधानसभा चुनाव सहित हिन्जिली से छह बार जीत हासिल की है। बीजद ने 40 से अधिक सीटें जीतीं, लेकिन उसके विपक्ष में बैठने की संभावना है, क्योंकि भाजपा ने राज्य में जीत हासिल कर इतिहास रच दिया है।

बार्गेनिंग नहीं करेंगे...चिराग पासवान ने किया बड़ा ऐलान

हाजीपुर. हाजीपुर से लोकसभा चुनाव जीतने वाले चिराग पासवान ने कहा है कि उनकी पार्टी पीएम मोदी से किसी तरह की बार्गेनिंग नहीं करेगी। चिराग पासवान ने यह बात पत्रकारों से बात करते हुए कही। उन्होंने कहाकि हम बिना किसी शर्त के प्रधानमंत्री को अपना समर्थन देंगे। चिराग पासवान ने कहाकि जनता ने एनडीए गठबंधन को स्पष्ट जनादेश दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहाकि अगर हमारी पार्टी के पांच सांसद यहां पर जीतने में कामयाब रहे तो उसकी यह वजह एनडीए गठबंधन है।

सभी पांच सीटें जीता LJP-R

गौरतलब है कि लोजपा-आर ने अपनी सभी पांच सीटों पर जीत हासिल की है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक लोजपा (रामविलास) को सीटों में तालमेल के तहत पांच सीट हाजीपुर (सु), वैशाली, जमुई (सु) ,खगडिया और समस्तीपुर (सु) मिली है।

हाजीपुर (सु) सीट से लोजपा-आर प्रत्याशी चिराग पासवान ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के शिवचंद्र राम को हराया। समस्तीपुर में शांभवी चौधरी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के सन्नी हजारी को मात दी।

जमुई से अरुण भारती अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी राजद की अर्चना कुमारी को शिकस्त दी। इसी तरह वैशाली संसदीय सीट से लोजपा-आर उम्मीदवार वीणा देवी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी राजद उम्मीदवार पूर्व विधायक विजय कुमार शुक्ला उर्फ मुन्ना शुक्ला को मात दी। वहीं, खगड़िया से राजेश वर्मा ने माकपा प्रत्याशी संजय कुमार को हराया।

नासिक में एयरफोर्स का सुखोई फाइटर जेट क्रैश

वायुसेना का लड़ाकू विमान सुखोई मंगलवार को नासिक में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान ओवरहॉलिंग के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के पास था। नासिक रेंज के विशेष महानिरीक्षक डीआर कराले ने बताया कि सुखोई Su-30MKI विमान के पायलट और को-पायलट सुरक्षित बाहर निकल आए। विमान शिरसगांव गांव के पास एक खेत में गिरा।

अजय मिश्र टेनी व स्मृति इरानी की हुई हार

- **बीजेपी प्रत्याशी शंकर लालवानी की रिकार्ड जीत**

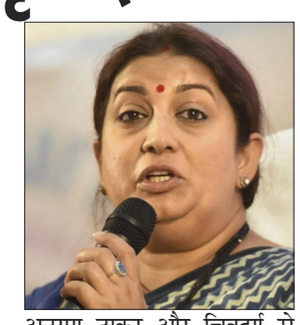

नई दिल्ली. उत्तर प्रदेश की लखीमपुर खीरी सीट से केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी चुनाव हार गए हैं। 2021 में टेनी के बेटे ने प्रदर्शन कर रहे किसानों पर अपनी कार चढ़ा दी थी। इसमें 8 लोगों की मौत हुई थी।

साथ ही मोदी सरकार में मंत्री स्मृति ईरानी, महेंद्र नाथ पांडेय और कौशल किशोर भी चुनाव हार गए हैं। उधर फैजाबाद (अयोध्या) में बीजेपी प्रत्याशी लल्लू सिंह को भी हार मिली।

उत्तर प्रदेश में रायबरेली से राहुल गांधी चुनाव जीत गए। वहीं कैसरगंज सीट से करणभूषण सिंह ने भी बाजी मारी। करणभूषण पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह के बेटे हैं। बृजभूषण पर पहलवानों ने यौन शोषण का आरोप लगाया था, जिसके बाद उन्हें टिकट नहीं मिला। उधर, हिमाचल प्रदेश की हमीरपुर सीट से केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और चित्रदुर्ग से जीएम करजोल विजयी घोषित हुए हैं। सूरत सीट भाजपा पहले ही निर्विरोध जीत चुकी है। राजस्थान में जयपुर सीट भाजपा की मंजू शर्मा जीत चुकी हैं।

मध्य प्रदेश के इंदौर में बीजेपी प्रत्याशी शंकर लालवानी 11 लाख 75 हजा 92 वोट से जीत गए हैं। विदिशा से बीजेपी प्रत्याशी शिवराज सिंह चौहान ने 8 लाख 20 हजार 868 वोटों से जीत हासिल की है।

इसके अलावा, पंजाब की 3 सीट कांग्रेस के खाते में गई है। राज्य के पूर्व CM चरणजीत सिंह चन्नी जालंधर से और फतेहगढ़ साहिब से अमर सिंह चुनाव जीत गए हैं। अमृतसर से कांग्रेस के गुरजीत औजला जीते।

वहीं खडूर साहिब से खालिस्तान समर्थक अमृतपाल निर्दलीय चुनाव जीत गए। पटियाला से कांग्रेस के धर्मवीर गांधी जीते हैं। उन्होंने कैप्टन अमरिंदर सिंह की पत्नी BJP उम्मीदवार परनीत कौर और AAP सरकार के मंत्री डॉ. बलबीर सिंह को हराया है।

दिल्ली में आज NDA घटक दलों की बैठक

शिवसेना और एनसीपी भी होंगी शामिल

नई दिल्ली. लोकसभा चुनाव 2024 के रुझानों में एनडीए गठबंधन को बहुमत मिलता दिख रहा है. इसको लेकर बीजेपी एक्टिव हो गई है और एनडीए गठबंधन की मीटिंग कल दिल्ली में होगी. इस बैठक में एकनाथ शिंदे वाली शिवसेना और अजित पवार वाली एनसीपी भी शामिल होगी.

वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू से भी बातचीत की है. इसके अलावा बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बीते दिन सोमवार (03 जून) को पीएम मोदी से मुलाकात की थी. बीजेपी के बहुमत न मिलता हुआ दिखा तो अटकलें लगाई जाने लगीं कि कहीं नीतीश कुमार एक बार फिर पलटी मारते हुए I.N.D.I.A गठबंधन में शामिल हो सकते हैं. इस पर जेडीयू नेता केसी त्यागी ने इन अटकलों पर विराम लगाते हुए कहा कि ऐसा कुछ नहीं होने वाला, जेडीयू एनडीए का ही हिस्सा रहेगी.

कांग्रेस ने इन लोगों से की बात

इससे पहले, खबरें आईं थीं कि कांग्रेस ने एकनाथ शिंदे से लेकर चंद्रबाबू नायडू तक, पहुंच बनाने का काम पर्दे के पीछे से शुरू कर दिया. इसके बाद पीएम मोदी और अमित शाह ने मोर्चा संभालते हुए इन नेताओं से फोन पर बात की. सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने नायडू की तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी), नीतीश कुमार की जनता दल (यूनाइटेड) या जेडीयू और नवीन पटनायक की बीजू जनता दल (बीजेडी) के अलावा चिराग पासवान के नेतृत्व वाली लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) या एलजेपी से भी संपर्क किया.

बिहार में चला नीतीश कुमार का जादू

बिहार में 15 सीटों पर बढ़त के साथ नीतीश कुमार की पार्टी ने सभी चुनाव पर्यवेक्षकों को चौंका दिया, अधिकतम सीटों को बरकरार रखते हुए और कुर्मी वोटों के साथ-साथ अत्यंत पिछड़ी जातियों (ईबीसी) के अपने मतदाता आधार को भी बरकरार रखा है. भले ही नीतीश कुमार के स्वास्थ्य

इन राज्यों में BJP ने किया क्लीन स्वीप

नई दिल्ली. भारत की 543 सीटों वाली संसद में बहुमत के लिए 272 का आंकड़ा छूना जरूरी है। हालांकि, अब तक भारतीय जनता पार्टी समेत कोई भी दल इससे काफी पीछे नजर आ रहा है। हालांकि, भाजपा की अगुवाई वाले एनडीए ने आंकड़ा पार भी कर लिया है। ऐसे भी कई राज्य हैं, जहां एनडीएन क्लीन स्वीप कर विपक्ष के खिलाफ एकतरफा जीत हासिल करने की तैयारी में है।

एनडीए मध्य प्रदेश की सभी 29 सीटों पर जीत हासिल करती नजर आ रही है। भाजपा अरुणाचल प्रदेश की 2, त्रिपुरा की 2, हिमाचल प्रदेश की 4, उत्तराखंड की 5 और राजधानी दिल्ली की 7 सीटों पर आगे चल रही है। इन सभी को मिलाकर भाजपा 5 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश की 49 सीटों पर एकतरफा जीत दर्ज करने की तैयारी में है।

ओडिशा से भी मिल सकती है खुशखबरी

लोकसभा के साथ-साथ ओडिशा विधानसभा की 147 सीटों पर भी मतगणना जारी है। संभावनाएं हैं कि भाजपा पहली बार राज्य में बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। ईसीआई के आंकड़ों के अनुसार, भाजपा 75 सीटों पर आगे चल रही है। वहीं, सत्तारूढ़ बीजू जनता दल 54 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर है। कांग्रेस को अब तक 16 सीटों पर बढ़त हासिल है।

बंगाल में भी झटका

2019 लोकसभा चुनाव में 62 सीटों पर जीत हासिल करने वाली भाजपा 40 का आंकड़ा भी नहीं छू पा रही है। वहीं, समाजवादी पार्टी और कांग्रेस मिलकर 44 सीटों पर आगे चल रहे हैं। हालांकि, राज्य में एनडीए गठबंधन में राष्ट्रीय लोकदल भी शामिल है, लेकिन वह भी 2 सीटों पर ही बढ़त बनाए हुए है। सीटों की संख्या के लिहाज से 80 सीटों वाला उत्तर प्रदेश सबसे बड़ा राज्य है।

इसके अलावा भाजपा को पश्चिम बंगाल से भी खासी उम्मीदें थीं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी राज्य में सीटें बढ़ने की संभावनाएं जता रहे थे। भारत निर्वाचन आयोग के ताजा आंकड़े बता रहे हैं कि पार्टी अब तक महज 9 सीटों पर बढ़त बनाए हुए है और तृणमूल कांग्रेस 32 सीटों पर आगे है। बीते लोकसभा चुनाव में यहां भाजपा ने 17 सीटें अपने नाम की थीं।

यूपी में कैसे योगी फैक्टर भी नहीं बचा पाया बीजेपी की जमीन?

- **तीन वजहों से खटाखट घटीं सीटें**

लोकसभा चुनाव के नतीजों में बीजेपी को बड़ा झटका लगा है। उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में भगवा दल की सीटें कम हुई हैं। दोपहर 12 बजे तक के आंकड़ों के अनुसार, सबसे बड़ा सियासी उलटफेर यूपी में दिख रहा, जहां पर सपा और कांग्रेस वाले इंडिया गठबंधन ने जबरदस्त प्रदर्शन किया है। सपा 35, कांग्रेस आठ सीटों पर आगे चल रही है, जबकि बीजेपी को बंपर नुकसान होते हुए महज 34 सीटों पर ही बढ़त हासिल है। बड़ी संख्या में सीटें घटने की वजह से बीजेपी 272 का बहुमत का आंकड़ा भी पार करती नहीं दिख रही। हालांकि, एनडीए गठबंधन जरूर सरकार बनाता दिख रहा है। यूपी में बीजेपी के बड़े सियासी उलटफेर के पीछे कई वजहें दिखाई दे रही हैं। आम चुनाव के दौरान सपा और कांग्रेस ने जिस तरह से संविधान, आरक्षण, बेरोजगारी जैसे मुद्दे उठाए, नतीजों से साफ लग रहा है कि जमीन पर यह सब काम कर गया। वहीं, बीजेपी जिस राम मंदिर मुद्दे के सहारे देशभर में 400 पार की उम्मीद लगाए बैठी थी, वो यूपी में भी काम नहीं कर सका।

योगी फैक्टर भी नहीं आया काम!

साल 2017 में उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनने के बाद योगी आदित्यनाथ का ग्राफ तेजी से बढ़ा। उनकी लोकप्रियता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि बैक-टू-बैक दो विधानसभा चुनावों में बीजेपी ने यूपी में बंपर बहुमत हासिल किया। इसी वजह से वर्तमान लोकसभा चुनाव में बीजेपी के लिए यूपी सबसे आसान राज्यों में से एक था, जहां पर पार्टी ने 80 में से 80 लोकसभा सीटें जीतने का लक्ष्य बनाया था।

राजनीतिक एक्सपर्ट्स की मानें तो यूपी में बीजेपी की जमीन खिसकने के पीछे एक वजह योगी फैक्टर का काम न करना भी है। पूरे चुनाव के दौरान राजपूत समाज भी केंद्रीय मंत्री परषोत्तम रूपाला के बयान से काफी नाराज दिखा और बीजेपी के खिलाफ वोट डालने की अपील करता रहा। क्षत्रियों की नाराजगी के पीछे एक वजह योगी आदित्यनाथ को लेकर समय-समय पर चल रहीं बातें भी थीं। यह चर्चाएं आम थीं कि फिर से मोदी सरकार बनने के बाद योगी आदित्यनाथ को यूपी सीएम के पद से हटाया जा सकता है। खुद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी कई बार यह दावा किया। इन चर्चाओं की वजह से भी राजपूत वोटबैंक बीजेपी के खिलाफ दिखाई दिया।

चुनाव में खूब उछला संविधान और आरक्षण का मुद्दा

यूपी में बीजेपी की जमीन खिसकने और सपा व कांग्रेस के इंडिया गठबंधन की सीटें बढ़ने के पीछे राहुल गांधी, अखिलेश यादव के वादे भी हैं। दोनों नेता हर चुनावी रैली में दावा करते रहे कि यदि मोदी सरकार 400 से ज्यादा सीटें जीतती है तो संविधान में बदलाव करके आरक्षण को हटा दिया जाएगा। इसके साथ ही, राहुल गांधी ने जितनी आबादी उतना हक का नारा देकर पिछड़ों को अपने और सपा के साथ जोड़ लिया। अखिलेश का पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) फॉर्मूला भी काम कर गया और पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक समुदाय का वोट इंडिया गठबंधन की ओर चला गया। पिछले लोकसभा चुनाव में बसपा का वोटबैंक ने मायावती के उम्मीदवारों की बजाए सपा और कांग्रेस के कैंडिडेट्स को जमकर वोट दिया।

महंगाई, बेरोजगारी जैसे मुद्दों ने बिगाड़ा बीजेपी का खेल

पिछले एक दशक में कांग्रेस समेत समूचा विपक्ष बीजेपी सरकार पर महंगाई बढ़ाने का आरोप लगाता रहा। गैस सिलेंडर, पेट्रोल-डीजल समेत रोजमर्रा की जरूरतों के सामान की बढ़ती कीमतों के जरिए भी बीते दस सालों में विपक्ष ने मोदी सरकार को जमकर घेरा है। इस चुनाव में प्रचार के दौरान भी राहुल गांधी, अखिलेश यादव समेत इंडिया गठबंधन के नेताओं ने महंगाई का मुद्दा पूरे जोर-शोर से उठाया, जिसका असर आज आए चुनावी नतीजों में भी दिखाई दिया। वहीं, विपक्षी नेता बेरोजगारी बढ़ने का भी दावा करते रहे और कांग्रेस ने अपने मेनिफेस्टो में सरकार बनने पर 30 लाख नौकरियों का वादा कर दिया। नतीजों को देखकर लगता है कि उनका यह वादा युवा वोटरों को अपनी ओर जोड़ने में कामयाब रहा।

टी-20 वर्ल्ड कप राहुल द्रविड़ का बतौर कोच आखिरी टूर्नामेंट

- **बोले- बतौर कोच मेरे लिए भारत का हर मैच महत्वपूर्ण**

टीम इंडिया के हेड कोच राहुल द्रविड़ ने सोमवार को कंफर्म कर दिया कि टी-20 वर्ल्ड कप उनका हेड कोच के तौर पर यह आखिरी टूर्नामेंट होगा। उन्होंने इस पद के लिए फिर से आवेदन नहीं किया था। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (BCCI) ने पिछले माह इसके लिए आवेदन मंगाए थे। द्रविड़ ने सोमवार को मीडिया से बातचीत में कहा, 'मैंने हेड कोच के अपने कार्यकाल में हर क्षण का लुत्फ लिया है। कोच के तौर पर मेरे लिए भारत का हर मैच महत्वपूर्ण रहा। वर्ल्ड कप भी अलग नहीं है। यह हेड कोच के रूप में मेरा अंतिम टूर्नामेंट है।' 27 मई को कोच पद के लिए आवेदन करने की आखिरी तारीख थी।

2021 में हेड कोच बने थे द्रविड़

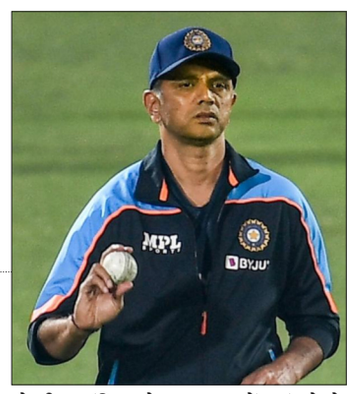

BCCI ने राहुल द्रविड़ को नवंबर 2021 में भारत का हेड कोच बनाया गया। तब टीम इंडिया टी-20 वर्ल्ड कप के ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गई थी। 2022 के टी-20 वर्ल्ड कप में टीम सेमीफाइनल तक पहुंची थी। 2023 में वनडे वर्ल्ड कप के बाद द्रविड़ का कार्यकाल खत्म हो गया था, लेकिन टीम इंडिया के फाइनल में पहुंचने के कारण उनका कार्यकाल टी-20 वर्ल्ड कप तक बढ़ा दिया गया।

द्रविड़ की कोचिंग में टीम इंडिया की एकमात्र कामयाबी 2023 में एशिया कप के रूप में आई। भारत ने मेजबान श्रीलंका को हराकर खिताब जीता था। उनका कार्यकाल अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप के बाद खत्म हो जाएगा।

2027 तक रहेगा नए कोच का कार्यकाल

टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान नए हेड कोच का सिलेक्शन हो जाएगा। उनका कार्यकाल 1 जुलाई 2024 से शुरू होकर 31 दिसंबर 2027 तक रहेगा। इस दौरान टीम इंडिया को ICC के 5 टूर्नामेंट खेलने हैं। इनमें चैंपियंस ट्रॉफी, टी-20 वर्ल्ड कप और वनडे वर्ल्ड कप के साथ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के 2 साइकिल शामिल हैं।

संक्षेप...

ठाणे में एक अपार्टमेंट में लगी आग, कोई हताहत नहीं

ठाणे. महाराष्ट्र के ठाणे शहर में एक आवासीय इमारत के एक अपार्टमेंट में आग लग गई। हालांकि, इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

नगर निकाय आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तडवी ने कहा कि रविवार रात करीब 8.30 बजे कलवा के मनीषा नगर इलाके में एक इमारत की पहली मंजिल पर एक अपार्टमेंट में आग लग गई।

उन्होंने बताया कि दमकल विभाग का स्थानीय दल और क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ (आरडीएमसी) की टीम मौके पर पहुंची और आधे घंटे में आग पर काबू पा लिया। उन्होंने कहा कि यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि आग किस वजह से लगी।

भिवंडी में बाल्या मामा जीते

■ बीजेपी के मंत्री कपिल पटल बुरी तरह हारे

भिवंडी. भिवंडी लोकसभा क्षेत्र में शरद चंद्र पवार गुट के सुरेश म्हात्रे और बीजेपी के कपिल पाटिल के बीच जोरदार टक्कर हुई. इस लड़ाई में बाल्या मामा की जीत हुई और उन्होंने 82 हजार से ज्यादा वोटों के अंतर से जीत हासिल की. उन्हें 4,61,667 वोट मिले. कपिल पाटिल को 3,79,064 वोट मिले.

भिवंडी लोकसभा क्षेत्र में मुख्य मुकाबला मुख्य रूप से महायुति के उम्मीदवार कपिल पाटिल और महाविकास अघाड़ी के उम्मीदवार सुरेश म्हात्रे के बीच था। हालांकि, यह उत्सुकता थी कि वंचित बहुजन अघाड़ी के समर्थन से निर्दलीय चुनाव लड़ने वाले नीलेश सांबरे और मैदान में उतरी एमआईएम पार्टी वोटों का गणित कैसे बिगाड़ेगी। इसके अलावा यह भी चर्चा थी कि महाविकास अघाड़ी में स्थानीय कांग्रेस नेताओं की नाराजगी उनके ही अघाड़ी उम्मीदवार पर पड़ेगी.

कोंकणपट्टी में अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही कांग्रेस का भिवंडी लोकसभा क्षेत्र में कुछ दबदबा है. हालांकि कांग्रेस इस सीट से लगातार चुनाव लड़ती रही है, लेकिन 2009 के चुनाव को छोड़कर बाकी दोनों चुनावों में कांग्रेस जीत हासिल नहीं कर पाई है. 2014 के बाद 2019 में मतदाताओं ने बीजेपी के कपिल पाटिल को दो बार लोकसभा में प्रतिनिधित्व करने का मौका दिया. जीत की हैट्रिक बनाने को तैयार पाटिल को महाविकास अघाड़ी के उम्मीदवार सुरेश म्हात्रे ने चुनौती दी। हालांकि, ऐसी चर्चा थी कि कांग्रेस के स्थानीय नेता अभी भी म्हात्रे की उम्मीदवारी से असंतुष्ट हैं . भिवंडी लोकसभा सीट पर कांग्रेस ने दावा किया था. हालांकि, शरद पवार की पार्टी एनसीपी को यह सीट मिलने के बाद भिवंडी में कांग्रेस के नेता असहयोग की भाषा बोलने लगे.

कपिल पाटिल और मुरबाड विधायक किसन कथोरे के बीच विवाद नया नहीं है, एक ही पार्टी में होने के बावजूद कथोरे को सार्वजनिक रूप से यह आश्वासन देना पड़ा है कि पाटिल को पिछले चुनाव की तुलना में मुरबाड से सबसे ज्यादा वोट मिलेंगे। इस बीच हाल ही में मुरबाड में हुई बैठक में उप मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस को बयान देना पड़ा कि पाटिल जीत के लिए जी जान लगा देंगे. इस बयान के जरिए बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं की ओर से यह दिखाने की कोशिश की गई कि कथोरे और पाटिल के बीच सब कुछ ठीक था.

वैसे तो भिवंडी लोकसभा क्षेत्र में कुल 27 उम्मीदवार मैदान में थे, लेकिन महायुति और महाविकास अघाड़ी के बीच कड़ा मुकाबला था. इस संसदीय क्षेत्र में शहरी इलाकों के साथ ग्रामीण इलाके भी आते हैं और आगरी, कुनबी और मुस्लिम वोट भी बड़ी संख्या में हैं. हालांकि इन वोटों को हासिल करने के लिए उम्मीदवारों के बीच कड़ी खींचतान चल रही थी, लेकिन निर्दलीय उम्मीदवार नीलेश सांबरे वंचित बहुजन अघाड़ी के समर्थन से चुनाव लड़ रहे थे। चुनाव से पहले और चुनाव की घोषणा के बाद से सांबारे की ओर से जोरदार शक्ति प्रदर्शन किया गया. दिलचस्प बात यह है कि पिछले चुनाव में वंचित के उम्मीदवार को 51 हजार से ज्यादा वोट मिले थे.

इस साल के चुनाव में एमआईएम पार्टी ने भी छलांग लगाई और भिवंडी लोकसभा क्षेत्र में अपना उम्मीदवार उतारा. इसलिए सबका ध्यान इस बात पर था कि सांभरे के साथ-साथ एमआईएम के उम्मीदवारों से किस उम्मीदवार को फायदा होगा या किसे नुकसान होगा. लेकिन अब तस्वीर साफ हो गई है कि वोटों की तुलना में मतदाता कितना वोट डालेंगे.

मुंबई में जली विजय की 'मशाल'

मुंबई. महाराष्ट्र लोकसभा चुनाव 2024 चुनाव में महाविकास आघाड़ी विजयी हुई है। महाविकास अघाड़ी ने मुंबई की 6 में से 4 सीटों पर जीत हासिल की है. महायुति ने दो सीटों पर जीत हासिल की है. नॉर्थ मुंबई और नॉर्थ वेस्ट मुंबई में महाविकास आघाड़ी को जीत मिली है. महाविकास अघाड़ी ने दक्षिण मुंबई, दक्षिण मध्य मुंबई, उत्तर मध्य मुंबई, उत्तर पूर्व मुंबई में जीत हासिल की है। इनमें उत्तर मुंबई लोकसभा क्षेत्र से पीयूष गोयल बनाम भूषण पाटिल, दक्षिण मुंबई से अरविंद सावंत बनाम यामिनी जाधव, उत्तर पश्चिम मुंबई से रवींद्र वायकर बनाम अमोल कीर्तिकर, दक्षिण मध्य मुंबई से राहुल शेवाले बनाम अनिल देसाई, शामिल हैं। उत्तर मध्य मुंबई से उज्वल निकम बनाम वर्षा गायकवाड़, उत्तर पूर्व मुंबई से संजय दीना पाटिल बनाम मिहिर कोटेचा के बीच मुकाबला था.

मुंबई के विजयी उम्मीदवार

- उत्तरी मुंबई में पीयूष गोयल की जीत
- साउथ सेंट्रल मुंबई में अनिल देसाई की जीत
- साउथ मुंबई में अरविंद सावंत की जीत
- नॉर्थ वेस्ट मुंबई में रवींद्र वायकर की जीत
- नॉर्थ सेंट्रल मुंबई में वर्षा गायकवाड़ की जीत
- नॉर्थ ईस्ट मुंबई में संजय दीना पाटिल की जीत

उत्तर पश्चिम मुंबई में वाईकर 48 वोटों से जीते

मुंबई उत्तर-पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र में एक नाटकीय बदलाव हुआ। शिवसेना शिंदे गुट के उम्मीदवार रवींद्र वायकर महज 48 वोटों से जीत गए हैं. वायकर ने शिवसेना ठाकरे के उम्मीदवार अमोल कीर्तिकर को हराया। इससे पहले अमोल कीर्तिकर 681 वोटों से जीते थे. इसके बाद वायकर ने दोबारा गिनती की मांग की थी. इसमें वायकर 75 वोटों से आगे रहे। इसके बाद डाक मतों की गिनती की गई। अब कीर्तिकर की आपत्ति के बाद खारिज किए गए 111 पोस्टल वोटों की दोबारा गिनती की गई. आखिरकार 26 राउंड और खारिज वोटों की गिनती के बाद चुनाव अधिकारियों ने रवींद्र वायकर को 48 वोटों से विजेता घोषित कर दिया.

महाराष्ट्र के 48 लोकसभा क्षेत्र से विजयी उम्मीदवार

१) दक्षिण मुंबई	अरविंद सावंत	ठाकरे गट
२) दक्षिण मध्य मुंबई	अनिल देसाई	ठाकरे गट
३) उत्तर पश्चिम मुंबई	रविंद्र वायकर	शिंदे गट
४) बुलढाणा	प्रतापराव जाधव	शिंदे गट
५) ठाणे	नरेश म्हस्के	शिंदे गट
६) कल्याण	श्रीकांत शिंदे	शिंदे गट
७) नाशिक	राजाभाऊ वाजे	ठाकरे गट
८) औरंगाबाद	संदीपान घुमरे	शिंदे गट
९) हिंगोली	नागेश पाटील	ठाकरे गट
१०) यवतमाळ	संजय देशमुख	ठाकरे गट
११) हातकणंगले	धैर्यशील माने	शिंदे गट
१२) मावळ	श्रीरंग बारणे	शिंदे गट
१३) शिर्डी	भाऊसाहेब वाकचौरे	ठाकरे गट
१४) बारामती	सुप्रिया सुळे	शरद पवार गट
१५) शिरुर	डॉ. अमोल कोल्हे	शरद पवार गट
१६) उत्तर मुंबई	पियूष गोयल	भाजप
१७) उत्तर मध्य मुंबई	वर्षा गायकवाड	काँग्रेस
१८) नंदुरबार	गोवाल पाडवी	काँग्रेस
१९) धुळे	डॉ. शोभा बच्छाव	काँग्रेस
२०) जालना	कल्याण काळे	काँग्रेस
२१) लातूर	शिवाजीराव काळगे	काँग्रेस
२२) नांदेड	वसंत चव्हाण	काँग्रेस
२३) अकोला	अनुप धोत्रे	भाजप
२४) अमरावती	बळवंत वानखेडे	काँग्रेस
२५) नागपूर	नितीन गडकरी	भाजप
२६) भंडारा-गोंदिया	प्रशांत पडोले	काँग्रेस
२७) गडचिरोली	डॉ. नामदेव किरसान	काँग्रेस
२८) चंद्रपूर	प्रतिभा धानोरकर	काँग्रेस
२९) पुणे	मुरलीधर मोहोळ	भाजप
३०) सोलापूर	प्रणिती शिंदे	काँग्रेस
३१) भिवंडी	बाळामामा म्हात्रे	शरद पवार गट
३२) दिंडोरी	भास्करराव भगरे	शरद पवार गट
३३) रावेर	रक्षा खडसे (निर्णय आना बाकी है)	भाजप
३४) बीड	अमर काळे	शरद पवार गट
३५) वर्धा	धैर्यशील पाटील	शरद पवार गट
३६) माढा	उद्यनराजे भोसले	भाजप
३७) सातारा	निलेश लंके	शरद पवार गट
३८) अहमदनगर	संजय दिना पाटील	ठाकरे गट
३९) मुंबई उत्तर पूर्व	डॉ. हिमंत सावरा	भाजप
४०) पालघर	नारायण राणे	भाजप
४१) सिंधुदुर्ग	स्मिता वाघ	भाजप
४२) जळगाव	विशाल पाटील	अपक्ष
४३) सांगली	सुनील तटकरे	अजित पवार
४४) रायगड	ओमराजे निंबाळकर	ठाकरे
४५) धाराशिव	संजय जाधव	ठाकरे
४६) परभणी	श्यामकुमार बर्वे	काँग्रेस
४७) रामटेक	शाहू महाराज छत्रपती	काँग्रेस
४८) कोल्हापूर		

इंडिया अलायंस को सरकार बनाने का दावा करना चाहिए

■ प्रेस कांफ्रेंस में उद्धव ठाकरे ने जता दिया इरादा

मुंबई. लोकसभा चुनाव के नतीजों पर शिवसेना (यूबीटी) चीफ उद्धव ठाकरे की प्रतिक्रिया आई है. उन्होंने कहा कि इंडिया अलायंस को सरकार बनाने के लिए दावा करना ही चाहिए. प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आम जनता ने अपनी ताकत क्या है, वो दिखा दी है. एक उंगली में कितनी ताकत है, वो बता दिया है. उन्होंने कहा कि बुधवार (5 जून)की दोपहर को दिल्ली में बैठक के लिए वो जाएंगे. उन्होंने कहा कि दिल्ली की बैठक पीएम चेहरे को लेकर ही बैठक होगी. महाराष्ट्र के पूर्व सीएम ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी जहां-जहां गए वहां चुनाव हार गए. उन्होंने कहा, ₹इसलिए मैं कहता हूं कि उनको हर जगह जाना चाहिए था. तब हर जगह हमारी जीत होगी. जितने लोगों ने हमारे ऊपर भरोसा जताया उनको धन्यवाद करता हूं.

उद्धव ठाकरे ने सीएम एकनाथ शिंदे का नाम लिए बिना निशाना साधा. उन्होंने कहा, ₹मेरी पार्टी का चुनाव चिन्ह छीना गया.मेरे पिता की तस्वीर का इस्तेमाल कर चुनाव जीता. मैंने कभी नहीं कहा कि मैं परमात्मा हूं. मैंने अपनी लड़ाई लड़ी.

प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, ₹अब असली नकली का पता चलेगा.मुझे नकली संतान कहा था. कहते हैं कि भगवान ने भेजा है. पीएम मोदी के ट्वीट पर उन्होंने कहा, मोदी अगर सामान्य व्यक्ति होते तो उनकी भलाई की कामना करते लेकिन वह खुद ही भगवान हैं.₹

बता दें कि लोकसभा चुनाव 2024 में महाराष्ट्र के सभी के सभी 48 सीटों के परिणाम लगभग आ चुके हैं. इलेक्शन कमिशन के मुताबिक, भाजपा गठबंधन मात्र 18 सीटों पर सिमट गई है, तो INDI गठबंधन 29 सीटों पर जीत की हासिल की है. वहीं 1 सीट पर निर्दलीय ने बढ़त बनाई है. महाराष्ट्र में NDA को बड़ा नुकसान होता दिख रहा है, जबकि कांग्रेस, शिवसेना (UBT) तथा NCP (SP) को ज्यादा फायदा हो रहा है.

आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में 4 पर मामला दर्ज

अंबरनाथ. ठाणे जिले में ऋण चुकाने को लेकर 50 वर्षीय लैब तकनीशियन को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। मृतक व्यक्ति की पत्नी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर पुलिस ने शनिवार को तीन महिलाओं और एक पुरुष के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 306 (आत्महत्या के लिए उकसाना) और Maharashtra धन-उधार (विनियमन) अधिनियम 2014 के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया।

अंबरनाथ पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि पीड़ित महेश नायर ने 6 मई को अपने कार्यालय में फांसी लगा ली थी और उसके कपड़ों में एक सुसाइड नोट मिला था, जिसमें उसने चारों आरोपियों के नाम लिखे थे और आरोप लगाया था कि उन्होंने उसे और उसके परिवार को ऋण चुकाने के लिए धमकाया था। अधिकारी ने बताया कि व्यक्ति ने अपने बेटे की शिक्षा के लिए आरोपियों से त्वरित ऋण लिया था और उसे चुका दिया था। उसने फिर से उनसे पैसे उधार लिए थे और भुगतान करने की प्रक्रिया में था। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने कथित तौर पर पीड़ित के घर में तोड़फोड़ की और उसके बेटे का लैपटॉप और अन्य सामान लूट लिया। अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच चल रही है और अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है।

एसएसटी कॉलेज में स्नातक प्रमाणपत्र वितरण समारोह

उल्हासनगर. ग्रेजुएशन समारोह हर छात्र के जीवन में एक यादगार पल होता है और एसएसटी कॉलेज ने एक शानदार समारोह का आयोजन करके इस पल को यादगार बना दिया।

कॉलेज सभागार में आयोजित समारोह में उद्योग समूहों से आमंत्रित मुख्य अतिथियों द्वारा स्नातक प्रमाणपत्र वितरित किये गये। इस मौके पर 'नमन एंजल्स इंडिया फाउंडेशन' के संस्थापक दिनेश इसरानी, क्यूब पार्टनर्स के संस्थापक डिंपल भानुशाली और प्रशांत मस्तकर मौजूद रहे। इस अवसर पर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए दिनेश इसरानी ने विद्यार्थियों को उद्यमी बनने के लिए प्रेरित किया तथा स्टार्टअप शुरू करने के लिए आवश्यक पहलुओं की जानकारी दी। इसके साथ ही एसएसटी कॉलेज के 'सिबीक' एसएसटीएन इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर ने छात्रों में उद्यमिता कौशल विकसित करने के लिए विभिन्न गतिविधियों की भी सराहना की। साथ ही डिंपल भानुशाली ने छात्रों को स्टार्टअप के अपने अनुभव के बारे में बताया और छात्रों से उद्यमी बनने और रोजगार पैदा करने की अपील की। कॉलेज के संस्थापक प्राचार्य डॉ.पुरस्वानी ने छात्रों को उनके जीवन में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर पूरा करने के लिए बधाई दी और छात्रों से स्टार्टअप शुरू करने पर विचार करने की अपील की और यह भी जाहीर किया की एसएसटी कॉलेज नमन एंजल्स इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से उन छात्रों के लिए विशेष प्रशिक्षण और सहायता प्रदान करेंगे जो स्टार्टअप शुरू करना चाहते हैं।

इस अवसर पर ग्रेजुएशन समारोह की पोशाक पहने विद्यार्थियों ने गणमान्य व्यक्तियों से अपनी डिग्रियां स्वीकार कीं और अपनी खुशी व्यक्त की। विद्यार्थियों ने अपना मनोगत व्यक्त करते हुए कॉलेज जीवन की यादें ताजा कीं और कहा कि कॉलेज ने शैक्षणिक विकास के साथ साथ विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कर हमारे व्यक्तित्व का विकास किया है जिसकी वजह हमे आज हम सफलता प्राप्त कर रहे है।

भिवंडी के दो अपराधियों से 16 कारतूस जब्त

भिवंडी. नायगांव पुलिस ने सोमवार को वसई के पास एक वाहन में यात्रा कर रहे दो व्यक्तियों से 16 जिंदा गोलियां जब्त की. पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की, जबकि एक तीसरा संदिग्ध, जिसके पास कथित तौर पर एक बंदूक थी, पकड़ से बच निकला।

भिवंडी से अपराधियों के क्षेत्र में प्रवेश करने की सूचना पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस ने नायगांव (पूर्व) में अजंता टाउनशिप के पास तीन घंटे से अधिक समय तक जाल बिछाया। दोपहर करीब 2 बजे, उन्होंने आसपास के क्षेत्र में एक संदिग्ध कार को रोका। जांच करने पर, अधिकारियों ने वाहन के अंदर दो आरोपियों की पहचान कल्पेश वैती, 26, और नरेश नंदरूकर, 21 के रूप में की।

तलाशी लेने पर कार लेने पर डैशबोर्ड में 16 जिंदा कारतूस मिले। पकड़े गए व्यक्तियों ने खुलासा किया कि उनका साथी, जिसकी पहचान विक्की म्हात्रे के रूप में हुई है, घटनास्थल से भागने में सफल रहा। तीनों आरोपी भिवंडी में रहने वाले कथित अपराधी हैं, जिनमें से दो पर क्षेत्र में हत्या और हत्या के प्रयास से संबंधित आरोप हैं। नायगांव पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक रमेश भामे ने संदेह जताया कि म्हात्रे के पास स्थानीय बैंक डकैती में इस्तेमाल के लिए बंदूक थी। सभी आरोपियों पर आर्म्स एक्ट की धारा 3 और 35 के तहत आरोप लगाए गए हैं। गोला-बारूद की जब्ती के अलावा, पुलिस ने संदिग्धों से 26 लाख रुपये नकद भी जब्त किए हैं।

उधारी दिए पैसे को लेकर मारपीट

भिवंडी. काटई गांव के गेट के पास, भिवंडी में उधार दिए पैसे मांगने पर हुए विवाद को लेकर बीच-बचाव करने गए युवक पर 2 लोगों ने हमला कर घायल कर दिया. पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार फिर्यादी मतीउल्लाह रहमान शेख (36) की बुवा का लड़का मोहम्मद इरशाद अली से आरोपी रजिक अंसारी और उसका भतीजा उधार दिए पैसे वापस मांगने पर झगड़ा कर रहे थे. इस दौरान मतीउल्लाह बीचबचाव करने गया और बोला कि आप लोगों ने जो पैसा लिया वह वापस दे दो. इस पर दोनों आरोपी नाराज हो गए और मतीउल्लाह से उलझ गए. दोनों ने किसी चीज से वार करके मतीउल्लाह को घायल कर दिया. यह घटना 1 जून की रात 9.30 बजे के करीब काटई गांव गेट के पास घटित हुई है. निजामपुर पुलिस ने भादंसं की धारा 324, 323, 506, 34 के तहत अपराध दर्ज किया है.

SHAHEED DUNICHAND T. KALANI MEMORIAL TRUST'S
JUNIOR COLLEGE OF EDUCATION

Add Site No.57, A-Block Road, Near Shahad Rly. Station (E),
Ulhasnagar – 421 001, DIST: THANE,
TEL. NO. 0251-2733108 Email ID- sdtk@rediffmail.com
Website : www.kalanicollege.in

First Year D.El.Ed. (Old name D.T.Ed./D.Ed) A.Y. 2024-25

Applications are invited for admission to the **First Year D.El.Ed. (Old name D.T.Ed./ D.Ed) Permanently unaided Course (English Medium)** under **SINDHI MINORITY/ MANAGEMENT** Quota. The candidate should be a domicile of Maharashtra State and have passed H.S.C. Examination of Maharashtra State Board of Secondary and Higher Secondary/C.B.S.E/ I.C.S.E./ N.I.O.S/ Other State Board with minimum 49.50% and above marks for Open category candidates and 44.50% and above marks for backward class candidates. All admissions will be done as per rule No. 6 mentioned in SCERT admission rules and information brochure 2024-25. Total Intake of 50 seats **(Science -25, Arts –20, Commerce–04 and M.C.V.C.-01)** are to be filled from amongst the eligible candidates under **Sindhi Minority/ Management** quota strictly in order of merit in accordance with the Government regulations for admissions. If seats remain vacant from Sindhi minority quota then eligible candidate from non-minority, those who have already applied for Govt. centralised admission will be admitted purely on merit basis.

Category wise Reservation:

Category	SC/ST	VJA/NTB/NTC/NTD	SBC/OBC	OPEN	TOTAL
	20%	11%	19%	50%	100%
Seats	10	06	09	25	50

Online application forms will be available on website: **www.maa.ac.in** from Dt. 03.06.2024 to 18.06.2024.

Fee for Online Application Form is Rs. 200/- for General Category and Rs. 100/- for Reserve Category. Total Annual Course Fees Rs. 12,000/-.

Office Time: 10.00 am and 05.00 pm.

Please Visit www.maa.ac.in for further details.

Sd/-
Principal

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099